महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

'प्रेम' की भावना इंसान को कभी हारने नहीं देती और 'घृणा' की भावना उसे कभी जीतने नहीं देती

वर्ष : 16 अंक : 226 | उज्जैन, रविवार 25 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

वैश्विक निवेशकों का दावोस में किया विश्वास अर्जित : मुख्यमंत्री

राज्य की क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया प्रभावी ढंग से

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हाल ही में दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मुझे मिला। यह यात्रा केवल मेरी नहीं थी, बल्कि मध्यप्रदेश के साढ़े आठ करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं की यात्रा थी। दावोस के वैश्विक मंच पर हमने दुनिया को यह संदेश दिया कि मध्यप्रदेश भरपूर संभावनाओं का प्रदेश है, जहाँ नीति में स्थिरता है, प्रशासन में पारदर्शिता है और निवेश के लिए पूर्णतया अनुकूल वातावरण है। उद्योग, ऊर्जा, तकनीक, पर्यटन, कृषि, शिक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में राज्य की क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही विश्व आर्थिक मंच पर मध्यप्रदेश ने सक्रिय, सशक्त और रणनीतिक भागीदारी दर्ज की। दावोस की सहभागिता ने साबित किया कि मध्यप्रदेश केवल चर्चाओं का हिस्सा नहीं, बल्कि ठोस निवेश परियोजनाओं के लिए तैयार राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन पर हमारी स्पष्ट सोच ने वैश्विक निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और उद्योग समूहों के साथ सकारात्मक संवाद हुए हैं, जो आने वाले समय में निवेश, तकनीक और रोजगार के रूप में धरातल पर दिखाई देंगे। हमारा लक्ष्य केवल निवेश लाना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार, किसानों को समृद्धि, महिलाओं का सशक्तिकरण और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 के विज़न के तहत एक मजबूत, समावेशी और भविष्य-उन्मुख अर्थव्यवस्था का निर्माण राज्य का लक्ष्य है। दावोस में निवेशकों के लिए नीति स्थिरता, पारदर्शिता, प्रशासनिक सहयोग और तेज़ क्रियान्वयन का स्पष्ट संदेश दिया गया। मध्यप्रदेश को निवेश के लिए एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदार राज्य के रूप में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की और प्रदेश की मजबूत लॉजिस्टिक्स, नीति स्थिरता और रोज़गार सृजन वाले उद्योग इको सिस्टम को निवेशकों के सामने रखा गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, फूड प्रोसेसिंग, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो और ईवी कंपोनेंट्स, टेक्सटाइल एवं फार्मा जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहा। औद्योगिक पार्क, प्लग एंड प्ले सुविधाएं, सिंगल विंडो स्वीकृति प्रणाली और ऑफ्टर केयर (पोस्ट-इन्वेस्टमेंट सपोर्ट) को निवेशकों के लिए प्रमुख आकर्षण के रूप में रखा गया। दावोस में मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल में नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधियों ने राज्य की ओर से सक्रिय, सशक्त और बहुआयामी सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि डि-रिस्किंग द ग्रीन लीप~ सबनेशनल ब्लूप्रिंट्स फॉर यूटिलिटी-स्केल एनर्जी ट्रांज़िशन सत्र जिसमें राज्य के ग्रीन ट्रांज़िशन पर चर्चा हुई। राज्य ने पिछले 15 वर्षों में मध्यप्रदेश ने स्थापित विद्युत क्षमता में 73 गुना वृद्धि हासिल की है। दूसरे सत्र में Reimagining Tourism at Scale मध्यप्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और विरासत आधारित पर्यटन क्षमताओं को प्रस्तुत किया गया। मालदीव के पर्यटन मंत्री के साथ भी चर्चा हुई जिसमें पर्यटन विकास, रूट कनेक्टिविटी और टूरिज्म क्षेत्र में कौशल विकास जैसे प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श हुआ। मध्यप्रदेश को एक रणनीतिक निवेश हब के रूप में स्थापित करने के लिये मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्रियल इको सिस्टम पर केंद्रित राउंडटेबल चर्चा हुई। इसमें सैंडोज़, NVIDIA, पेप्सिको, अपोलो हॉस्पिटल्स, मैनचेस्टर यूनाइटेड, पर महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डीपी वर्ल्ड और मध्यप्रदेश सरकार के बीच पवारखेड़ा मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स एवं इंडस्ट्रियल/फूड पार्क परियोजना के लिए कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए। यह परियोजना एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और वैल्यू चेन को मजबूती देगी। उन्होंने कहा कि दावोस यात्रा के परिणाम आने वाले समय में मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देंगे। सरकार, प्रशासन और जनता मिलकर प्रदेश को विकसित, समृद्ध और अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरमङ्क2026 हाईलाइट्स - दावोस में मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक निवेशकों और तकनीकी नेतृत्व के साथ बहु-क्षेत्रीय सहयोग पर व्यापक संवाद किया।

नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण पर अमारा राजा समूह, ग्रीन एनर्जी-3000, IREDA और पीस इन्वेस्ट के साथ महत्वपूर्ण चर्चाएँ हुईं।

मुरैना में संचालित बैटरी स्टोरेज परियोजना और 24म7 नवीकरणीय ऊर्जा रणनीति को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया। पंप स्टोरेज, हाइब्रिड ऊर्जा मॉडल (सौर-जल, सौर-तापीय) और को-इन्वेस्टमेंट आधारित परियोजनाओं पर निवेश रुचि सामने आई।

न्यूज ब्रीफ

आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने ठीक वैसा ही किया, जैसा मैंने कहा था; किस बात पर बोले शशि थरूर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में पार्टी के घोषित रुख का कभी उल्लंघन नहीं किया और सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर थी। थरूर ने केरल साहित्य महोत्सव के एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने उस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया था और उन्हें इसका खेद नहीं है। उनका यह बयान इन हालिया खबरों के बीच आया है जिनमें थरूर के पार्टी नेतृत्व से मतभेद की बात कही गई है। ऐसी अटकलें हैं कि थरूर इस बात से आहत हैं कि राहुल गांधी ने हाल में कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर उनके मौजूद होने के बावजूद उनके नाम का उल्लेख नहीं किया और राज्य के नेताओं द्वारा बार-बार उन्हें दरकिनार करने की कोशिश की जा रही है। थरूर ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम घटना के बाद एक अखबार में स्तंभ लिखा था जिसमें उन्होंने कहा था कि इसकी सजा मिलनी चाहिए और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ऐसे में उसे पाकिस्तान के साथ लंबे टकराव में नहीं पड़ना चाहिए और कोई भी कार्रवाई आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाने तक सीमित होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्हें आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने ठीक वही किया जैसा उन्होंने कहा था। थरूर ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ही यह प्रश्न किया था कि ''अगर भारत खत्म हो जाएगा तो कौन जीवित रहेगा?'' उन्होंने कहा, ''जब भारत दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसका स्थान दांव पर हो तो भारत पहले आता है।'' कांग्रेस सांसद ने कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन जब राष्ट्रहित की बात आती है तो भारत को ही सर्वोपरि होना चाहिए।

गोल्डन टेंपल के सरोवर में मुस्लिम युवक के कुल्ला करने का मामला, निहंग सिखों ने दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में मुस्लिम युवक के कुल्ला करने का मामला गरमाया हुआ है। निहंग व सिख समुदाय के लोगों ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। गाजियाबाद पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। मुस्लिम युवक सुब्हान रंगरीज दिल्ली का रहने वाला है। निहंगों ने शिकायत में कहा कि युवक की हरकत सिखों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। सिख समुदाय पर अक्सर कानून हाथ में लेने के आरोप लगाए जाते हैं, इसलिए वे सबसे पहले कानून के दायरे में रहकर पुलिस के पास आए हैं। निहंगों ने चेतावनी दी कि वे चाहते हैं कि सुब्हान रंगरीज सार्वजनिक रूप से आकर सिख मर्यादा के अनुसार माफी मांगे वरना उनके पास युवक से जुड़ी पूरी जानकारी है। दिल्ली के मुस्लिम युवक सुब्हान रंगरीज ने गोल्डन टेंपल में पवित्र सरोवर में कुल्ला करते हुए रील बनाई और मुस्लिम शेर लिखकर सोशल मीडिया पर डाला। वायरल रील में दिख रहा था कि वह गोल्डन टेंपल के सरोवर में पैर डालकर बैठा है और मुंह धो रहा है। वह 3 बार मुंह में पानी भरकर कुल्ला करता है और एक बार उस पानी को दोबारा सरोवर में ही थूक देता है। इसके बाद वह मुंह धोता है और फिर उंगली उठाते हुए गोल्डन टेंपल को भी दिखाता है। उसका एक और वीडियो सामने आया, जिसमें वह कह रहा था कि यहां सब पगड़ी वाले हैं।

हत्या या हादसा? कांग्रेस सांसद के भतीजे और उसकी पत्नी की मौत के मामले में आया नया ट्विस्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराजसिंह गोहिल की पत्नी की मौत के मामले में अब नया मोड़ आया है। जिस मामले को शुरू में एक हादसा बताया गया था, अब वह एक खौफनाक अपराध के तौर पर सामने आया है।

अहमदाबाद पुलिस ने गुजरात मैरीटाइम बोर्ड के क्लास-1 ऑफिसर यशराजसिंह गोहिल के खिलाफ आधिकारिक तौर पर हत्या का मामला दर्ज किया है। फॉरेंसिक सबूतों ने उनकी पत्नी की मौत के बारे में उनके गलती से गोली चलने वाले बहाने को झूठा साबित कर दिया है। पहले पत्नी की हत्या की, फिर खुद को भी मार डाला

जांचकर्ताओं ने अब पुष्टि की है कि गोहिल ने बेरहमी से अपनी पत्नी राजेश्वरीबा जडेजा की हत्या की और फिर उसी लाइसेंसी हथियार से खुद को भी मार डाला। इस मामले में पुलिस को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) और बैलिस्टिक एक्सपर्ट्स से सफलता मिली। हालांकि परिवार को शुरू में लगा था कि बंदूक गलती से चल गई, लेकिन सबूतों ने कुछ और ही कहानी बताई।

मामले में इन दो बातों पर दिया गया जोर-मामले में दो बातों पर जोर दिया गया। पहली, आधुनिक लाइसेंसी रिवॉल्वर सेफ्टी कैच के साथ डिजाइन किए जाते हैं जो तब तक फायर नहीं होने देते जब तक ट्रिगर जानबूझकर न खींचा जाए। विशेषज्ञों ने निष्कर्ष निकाला कि हथियार सिर्फ गिरने या साफ करने से फायर नहीं हो सकता था।

दूसरी, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सबूत एक जानबूझकर की गई हत्या की ओर इशारा करते हैं। गोहिल ने अपनी पत्नी को मारने के लिए उसके सिर के पिछले हिस्से पर एकदम सही निशाना लगाकर गोली चलाई।

AI के दौर में ब्लू कॉलर जॉब्स की ओर रुख कर रहे युवा, जेन-जी भी तलाश रहे विकल्प

नई दिल्ली/ जीएनएस। व्हाइट कॉलर जॉब में मंदी और एआई के दौर में छटनी से परेशान कर्मचारी अब ब्लू कॉलर जॉब की ओर बढ़ने लगे हैं। एक तरफ, कर्मचारियों को अब व्हाइट कॉलर जॉब में अनिश्चिता महसूस हो रही है, तो वहीं दूसरी तरफ, ब्लू कॉलर इंडस्ट्रीज में कामगारों की भारी कमी है। ऐसे में यहां तेजी से तरक्की के मौके भी हैं। साथ ही इन क्षेत्रों में एआई का भी असर कम है।

ब्लू कॉलर जॉब की बात करें तो इनमें व्हाइट कॉलर जॉब के मुकाबले वर्क-लाइफ बैलेंस बेहतर माना जाता है। इनमें काम आमतौर पर ऑफिस की डेस्क पर बैठकर नहीं बल्कि फील्ड, फैक्ट्री, वर्कशॉप या कंस्ट्रक्शन साइट पर किया जाता है। इनमें इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, कारपेंटर, ऑटो मैकेनिक, क्रेन ऑपरेटर जैसे काम शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेलवे ट्रैक पर विस्फोट, मालगाड़ी का लोको पायलट घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब में फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद में रेलवे लाइन पर जोरदार धमाका होने से एक मालगाड़ी का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक को चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। रेलवे अधिकारी और पुलिस जांच में लगी है। धमाके में आरडीएक्स का इस्तेमाल होने का शक जताया जा रहा है। हालांकि अभी तक पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे एक मालगाड़ी नई बिछाई गई रेल लाइन से गुजर रही थी। इंजन जैसे ही खानपुर फाटक के पास पहुंचा तो अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि रेलवे लाइन का लगभग तीन से चार फीट हिस्सा उड़ गया। इस घटना में मालगाड़ी के चालक को चोटें आई हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इतिहास होने जा रहा ऐतिहासिक पंबन रेलवे ब्रिज, एक सदी से ज्यादा तक समुद्र की लहरों के बीच खड़ा रहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। रामेश्वरम को देश से जोड़ने वाला ऐतिहासिक पंबन रेलवे ब्रिज अब खुद इतिहास होने जा रहा है। नए पंबन ब्रिज के चालू होने के बाद पुराने पंबन ब्रिज को तोड़ने की प्रक्रिया शुक्रवार से ही शुरू हो गई है। यह ऐतिहासिक पुल न सिर्फ इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना रहा है, बल्कि फिल्मों, पर्यटकों और आस्था का भी प्रतीक रहा है।

भारत में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान साल 1914 में बने पंबन रेलवे ब्रिज, भारत का ऐसा पहला समुद्री ब्रिज था, जो रामनाथपुरम जिले के मंडपम को रामेश्नरम द्वीप से जोड़ता था। करीब 2.3 किलोमीटर लंबा यह पुल तेज हवाओं, ऊंची लहरों और खारे समुद्री पानी के बची एक सदी से भी ज्यादा समय तक खड़ा है और अपनी सेवाएं देता रहा।

पीएम मोदी ने 61 हजार से अधिक युवाओं को दी सौगात, रोजगार मेले में सौंपे गए नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले में सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र सौंपे। 18वें रोजगार मेले के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में ये नियुक्तियां की जाएंगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, आज के इस महत्वपूर्ण दिन देश के 61 हजार से अधिक नौजवान जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। आज आप सभी को सरकारी सेवाओं के नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। ये एक तरह से नेशन बिल्डिंग का इनविटेशन लेटर है। यह विकसित भारत के निर्माण को गति देने का संकल्प पत्र है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी ने कहा, साल 2026 का आरंभ आपके जीवन में नई खुशियों का आरंभ कर रहा है। इसके साथ ही जब बसंत पंचमी कल ही गई है तो आपके जीवन में भी ये नई बसंत का आरंभ हो रहा है। आपको ये समय संविधान के प्रति अपने दायित्वों से भी जोड़ रहा है। संयोग से इस समय देश में गणतंत्र का महापर्व चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के इस दौर में देश की जरूरतें और प्राथमिकताएं भी तेजी से बदल रही हैं। इस तेज बदलाव के साथ आपको खुद को अपग्रेड करते रहना है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इतने कम समय में करीब डेढ़ करोड़ सरकारी कर्मचारी द्वत्रहञ्ज के इस प्लेटफॉर्म से जुड़कर खुद को नए सिरे से ट्रेंड कर रहे हैं, इम्पॉवर कर रहे हैं। हम सभी के लिए एक मंत्र है- नागरिक देवो भव~। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़ा है। इसका उद्देश्य, देश में जीवन और कारोबार, दोनों को आसान बनाने का है। उन्होंने कहा, आज के इस आयोजन में 8 हजार से ज्यादा बेटियों को भी नियुक्ति पत्र मिले हैं। बीते 11 वर्षों में देश के वर्कफोर्स में, वीमेन पार्टिसीपेशन में करीब करीब दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत सरकार, अनेक देशों से ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है। ये भारत के युवाओं के लिए अनेकों नए अवसर लेकर आ रहे हैं। डिजिटल मीडिया... ऐसे अनेक क्षेत्रों में भारत एक ग्लोबल हब बनता जा रहा है। भारत की क्रिएटर इकोनॉमी बहुत तेज गति से बढ़ रही है।

थाना गांधी नगर में इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट का पहला डिजिटल मालखाना शुरू

मध्यप्रदेश पुलिस को मिला दूसरा आधुनिक मॉडल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डिजिटल इंडिया मिशन के तहत पुलिसिंग को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट के थाना गांधी नगर में डिजिटल मालखाने का शुभारंभ किया गया। इस डिजिटल मालखाने का उद्घाटन पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा किया गया। यह इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट का पहला तथा मध्यप्रदेश पुलिस का दूसरा डिजिटल मालखाना है, जो स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

शुभारंभ अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) श्री राजेश कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री कृष्ण लालचंदानी सहित इन्दौर शहर के अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने इस पहल को पारंपरिक पुलिस कार्यप्रणाली में तकनीकी बदलाव की दिशा में मील का पत्थर बताया।

डिजिटल मालखाना प्रणाली के माध्यम से अब थाना स्तर पर जप्त की जाने वाली समस्त केस प्रॉपर्टी का संधारण पूरी तरह डिजिटल रूप में किया जाएगा। प्रत्येक जप्त माल को यूनिक आईडी और क्यूआर कोड प्रदान किया जाएगा, जिससे उसका संग्रह, सुरक्षा, निगरानी और उपयोग पूरी तरह रियल-टाइम और पारदर्शी बन सकेगा। इस प्रणाली के अंतर्गत माल का प्रकार, मात्रा, वर्तमान स्थिति और स्थान जैसी समस्त जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर सुरक्षित रहेगी।

नई व्यवस्था से यह भी सुनिश्चित होगा कि किस अधिकारी ने कब और किस उद्देश्य से केस प्रॉपर्टी को जमा किया या निकाला, इसका पूरा विवरण डिजिटल लॉग के रूप में सुरक्षित रहेगा। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता की संभावना न्यूनतम रह जाएगी। जप्त संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन के साथ-साथ भविष्य में इस सिस्टम को सीसीटीवी और बायोमेट्रिक एक्सेस जैसी उन्नत तकनीकों से जोड़ने की भी योजना है।

डिजिटल मालखाना जांच प्रक्रिया को भी अधिक तेज और प्रभावी बनाएगा। न्यायालय, एफएसएल अथवा जांच अधिकारी द्वारा मांगी गई सामग्री को कुछ ही सेकंड में ट्रेस कर जारी किया जा सकेगा, जिससे विवेचना की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके साथ ही डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर स्वतः रिपोर्ट, स्टॉक रजिस्टर और लॉग हिस्ट्री तैयार की जा सकेगी, जिससे निरीक्षण और ऑडिट प्रक्रिया अधिक सटीक और सरल हो जाएगी।

इस नई व्यवस्था से जोखिम और हानि में कमी आएगी, केस मैनेजमेंट में तेजी आएगी और पुलिस कर्मियों के कार्यभार में भी कमी होगी। मोबाइल और वेब आधारित मॉनिटरिंग डैशबोर्ड तथा फोटो व डिजिटल एविडेंस अपलोड जैसी सुविधाएं इसे स्मार्ट पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बनाती हैं।

कुल मिलाकर डिजिटल मालखाना केवल एक तकनीकी सिस्टम नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था में विश्वास, पारदर्शिता और कार्यकुशलता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह पहल आने वाले समय में पूरे प्रदेश के अन्य थानों में भी लागू की जाएगी और मध्यप्रदेश पुलिस को स्मार्ट पुलिसिंग के नए युग में आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा करेंगे ध्वजारोहण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह 26 जनवरी सोमवार को सुबह 9 बजे से नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ध्वजारोहण करेंगे। इस समारोह की व्यापक तैयारियां जारी हैं। आज पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्टेडियम पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी तैयारियां राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप की जाये। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल,एडिशनल पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह तथा श्री आर.के. सिंह, अपर कलेक्टर श्री पवार नवजीवन विजय, श्री रोशन राय तथा श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। आज सुबह नेहरू स्टेडियम में समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्लाटूनों ने परेड का पूर्वाभ्यास किया। उन्होंने बैंड की धुन पर कदम ताल मिलाकर परेड प्रस्तुत की। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी पूर्वाभ्यास किया गया। बताया गया कि समारोह में परेड के साथ विभिन्न विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों पर आधारित नयनाभिराम झाँकियां निकाली जायेंगी। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर सहायक पुलिस आयुक्त श्री कुन्दन मण्डलोई करेंगे। उनका अनुकरण टूआईसी सूबेदार श्री राजू सांवले करेंगे। परेड में आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी विशेष सशस्त्र बल (प्रथम बटालियन), 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस (पुरुष), जिला पुलिस बल (महिला) जिला होमगार्ड सशस्त्र, जिला यातायात पुलिस बल, एनसीसी एयर, एनसीसी आर्म्ड, एनसीसी गर्ल्स, शौर्य दल, स्काउट, गाइड, रेडक्रॉस, एसपीसी तथा सृजन दल आदि प्लाटून शामिल होंगे। साथ ही बैंड भी परेड में शामिल रहेगा। गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम ठीक 9 बजे प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ध्वजारोहण करेंगे। राष्ट्रीय गान होगा। मुख्य अतिथि परेड की सलामी लेंगे। विभिन्न प्लाटून आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत करेंगे। स्कूली बच्चे देश भक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देंगे। मुख्य अतिथि जिले में वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों और संस्थाओं को पुरस्कृत भी करेंगे।

भोपाल मेट्रो के लिए ट्रांसको ने ऊर्जीकृत किया 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि भोपाल मेट्रो के लिए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा 220 केवी सबस्टेशन गोविंदपुरा, भोपाल में 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से भोपाल मेट्रो के सुभाषनगर सबस्टेशन के लिए पर्याप्त और भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी।

सीमित जगह में स्थापित किया ट्रांसफार्मर- ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मेट्रो परियोजना के लिए यह स्थापना एमपी ट्रांसको के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण रही। शहर के मध्य स्थित गोविंदपुरा सब स्टेशन में सीमित उपलब्ध स्थान के कारण बड़े क्षमता वाले पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना एक जटिल कार्य था। एमपी ट्रांसको मुख्यालय, जबलपुर स्थित प्लानिंग एवं डिजाइन विभाग के इंजीनियरों ने अपने कौशल, नवाचार और तकनीकी दक्षता से सब स्टेशन परिसर में आवश्यक स्थान चिन्हित कर यह कार्य संभव बनाया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने लिए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने ट्रांसमिशन कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी है।

सब स्टेशन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि- एमपी ट्रांसको भोपाल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री राजेश शांडिल्य ने जानकारी दी कि भोपाल मेट्रो के डिपॉजिट वर्क के तहत इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से 220 केवी सबस्टेशन, गोविंदपुरा (भोपाल) की ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता में वृद्धि हुई है। यह इस सब स्टेशन का पाचंवा 220 केवी वोल्टेज लेवल का ट्रांसफार्मर है। अब सब स्टेशन की कुल क्षमता बढ़कर 820 एमवीए हो गई है, जिससे भोपाल शहर और मेट्रो परियोजना की भविष्य की विद्युत आवश्यकताओं को सुदृढ़ता मिलेगी।

नर्मदा साहित्य मंथन 2026 : 'भारत उदय' विषय पर तीन दिवसीय वैचारिक और साहित्यिक समागम इन्दौर में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व संवाद केन्द्र मालवा द्वारा आयोजित वार्षिक साहित्योत्सव 'नर्मदा साहित्य मंथन' का पंचम सोपान 30 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक इन्दौर में आयोजित किया जाएगा। ÷भारत उदय÷ की केंद्रीय अवधारणा पर आधारित यह साहित्योत्सव समाज जीवन के विविध आयामों पर गहन विचार-मंथन करते हुए वैचारिक जागरण का सशक्त मंच बनेगा। आयोजन का उद्देश्य सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करते हुए उदीयमान भारत के स्वरूप और भविष्य निर्माण में समाज की भूमिका पर संवाद स्थापित करना है।

पिछले सौ वर्षों में भारत के निरंतर उभार और विश्व स्तर पर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम राष्ट्र के रूप में उसके विकास की अनुभूति इस साहित्य मंथन की मूल प्रेरणा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में प्रबोधन सत्र, संवाद, समूह परिचर्चाएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और साहित्यिक गतिविधियां होंगी।

उद्घाटन सत्र में केरल के महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र आर्लेकर 'भारत उदय का आधार = स्वबोध' विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। प्रथम दिवस के अन्य सत्रों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र संघचालक डॉ. श्री पूर्णेन्दू सक्सेना 'भविष्य का भारत और हम' विषय पर संवाद करेंगे। दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय सचिव श्री अभय महाजन 'गाँव से भारत उदय' विषय पर अपने विचार रखेंगे। वरिष्ठ साहित्यकार श्री बुद्धिनाथ मिश्र 'शब्दों में ही सब कुछ है' विषय पर तथा इंफिनिटी फाउंडेशन के श्री अनुराग शर्मा 'युवा भारत के सपने' विषय पर संवाद करेंगे। सायंकालीन सत्र में आचार्य श्री मिथिलेश शरण नंदिनीजी द्वारा 'भारत उदय का श्रीगणेश = अयोध्या' विषय पर प्रवचन होगा, जबकि 'संघ और मीडिया नैरेटिव' विषय पर आजतक के वरिष्ठ पत्रकार श्री विष्णु शर्मा संवाद करेंगे।

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में 'नर्मदा, तुम बहती रहो' विषय पर मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री राकेश सिंघई एवं श्री ओमजी द्विवेदी से साहित्यकार श्री अशोक जमनानी संवाद करेंगे। इसी दिन 'दृष्टि ही दृष्टांत = गाजा से कश्मीर' विषय पर श्री अनुपम मिश्र तथा 'भारत का सिनेमा, सिनेमा में भारत' विषय पर श्रीमती स्वाति गोयल शर्मा संवाद करेंगी। जियोपोलिटिकल विश्लेषक श्री आदि अचिंत 'विश्व पटल पर भारत' विषय पर अपने विचार रखेंगे और मूर्धन्य साहित्यकार डॉ. श्रीमती सुमन चौरे 'संस्कृति के संवाहक = लोकगीत' पर चर्चा करेंगी। सायंकालीन सत्र में लोकसंस्कृतिकर्मी श्रीमती मालिनी अवस्थी 'भारतीय साहित्य में परिवार परंपरा' विषय पर संवाद करेंगी।

तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में 'भारत की आंतरिक चुनौतियाँ और समाधान' विषय पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी श्री शेषपाल वेद एवं केरल के पूर्व डीजीपी श्री जैकब थॉमस की समूह परिचर्चा इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता श्री सतीश पांडा 'आमू आखा हिन्दू थे' विषय पर तथा लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीमती कमलप्रीत सग्गी 'उदीयमान भारत में महिला नेतृत्व' विषय पर संवाद करेंगी। 'ब्रेकिंग इंडिया = स्वीकार नहीं' विषय पर श्री बजरंगलाजी बांगड़ा का सत्र आयोजित होगा। समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख श्री प्रदीपजी जोशी 'मंथन से प्रबोधन' विषय पर व्याख्यान देंगे।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला तथा मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित इस साहित्यमंथन में प्रथम दिवस रात्रि को 'शिव-स्तुति' नृत्यनाटिका का मंचन और द्वितीय दिवस कवि-सम्मेलन का आयोजन भी होगा। साथ ही तीनों दिनों में पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के प्रतिष्ठित प्रकाशकों की पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। भारत उदय पर आधारित प्रदर्शनी और पुस्तक मेले का उद्घाटन 30 जनवरी को प्रातः 9 बजे किया जाएगा। साहित्य मंथन के विभिन्न सत्रों में पुस्तक विमोचन और अभिव्यक्ति मंच के अंतर्गत मालवा-निमाड़ के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

नर्मदा साहित्य मंथन 2026 न केवल एक साहित्यिक उत्सव होगा, बल्कि वैचारिक प्रबोधन, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के विमर्श का एक सशक्त संगम बनकर उभरेगा।

भागीरथपुरा में दूषित पानी ने ली दो और जान, मौतों का आंकड़ा पहुंचा 27 के पार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के सेवन से उत्पन्न हुई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण शुक्रवार को दो और लोगों की मौत हो गई।

भागीरथपुरा निवासी विद्या बाई (82) के बेटे शिवनारायण ने बताया कि मां को 10 जनवरी से उल्टी-दस्त की शिकायत थी। घर पर इलाज चल रहा था। मंगलवार को कमजोरी बढ़ने से वे बाथरूम जाने के दौरान गिर गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी कूल्हे की हड्डी टूट गई थी। ज्यादा उम्र और कमजोरी के कारण सर्जरी नहीं हो सकी। ऐसे में हम उन्हें घर ले आए। गुरुवार रात को फिर तबीयत बिगड़ी तो उन्हें अरबिंदो अस्पताल ले गए। जहां 2 घंटे बाद उनकी मौत हो गई।

इससे पहले शुक्रवार को ही 63 वर्षीय बद्री प्रसाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्हें लगातार उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद 17 जनवरी को अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकीय जानकारी के अनुसार बद्री प्रसाद पहले से ही टीबी की बीमारी से भी जूझ रहे थे। इस नई मृत्यु के साथ ही भागीरथपुरा इलाके में अब तक जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई है। क्षेत्र में दूषित जल के कारण हो रही मौतों का यह सिलसिला प्रशासन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

10 मरीज अरविंदो में भर्ती- वर्तमान में इस क्षेत्र के 10 अन्य नागरिक अरविंदो अस्पताल में उपचाराधीन हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इनमें से एक मरीज की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। विभाग के विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती अधिकांश मरीज डायरिया के साथ-साथ अन्य गंभीर बीमारियों से भी ग्रसित हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार मरीजों की निगरानी कर रही हैं और क्षेत्र में जल जनित संक्रमण को फैलने से रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। भर्ती 10 मरीजों में से 8 ऐसे हैं जो पहले से ही किसी न किसी पुरानी या अन्य शारीरिक व्याधि से पीड़ित पाए गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी ने क्षेत्र के अन्य मरीजों के स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की है। उनके अनुसार अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती 58 वर्षीय एक मरीज के पैर में गंभीर संक्रमण और किडनी की समस्या का उपचार किया जा रहा है। इसी प्रकार केयर सीएचएल अस्पताल में एक 23 वर्षीय युवती एमचीबी और बेसल मेनेजाइटिस जैसी जटिल स्थिति में भर्ती है। अरविंदो अस्पताल में एक 66 वर्षीय महिला के लिवर में सूजन और संक्रमण का इलाज चल रहा है, जबकि एक 70 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर चोटों और एसडीएच के कारण निगरानी में हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि इसी अस्पताल के वार्ड में भर्ती दो मरीज अब डायरिया से पूरी तरह उबर चुके हैं और उन्हें डिस्चार्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

थाना तिलक नगर पुलिस की अवैध डीजे संचालन पर सख्त कार्रवाई, 12 डीजे साउंड सहित भारी मात्रा में सामग्री जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में निर्धारित समय के पश्चात डीजे संचालन कर मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम एवं ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना तिलक नगर पुलिस ने क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित डीजे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में डीजे सामग्री जप्त की है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मंडलोई द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में थाना तिलक नगर प्रभारी निरीक्षक मनीष लोधा के नेतृत्व में एक टीम गठित कर क्षेत्र में सतत निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है।

इसी तारतम्य में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना तिलक नगर पुलिस द्वारा एसेंशियल होटल के गार्डन में बिना अनुमति, निर्धारित समय का उल्लंघन करते हुए तथा तय ध्वनि मानकों से अधिक आवाज में डीजे संचालन किया जाना पाया गया। जांच में यह डीजे दुर्गेश साउंड के संचालक मुकेश सोनी एवं अक्षत द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस संबंध में थाना तिलक नगर पर अपराध क्रमांक 31/26 धारा 15(1) मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम एवं धारा 223(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

विवेचना के दौरान दिनांक 24 जनवरी 2026 को पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए मौके से 12 डीजे साउंड, 2 एम्पलीफायर, 13 एक्सटेंशन कार्ड, 3 एक्सटेंशन बोर्ड, 2 पावर बोर्ड एवं 2 बुफर जप्त किए गए। संबंधित आयोजक एवं संचालक के विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक मनीष लोधा, सहायक उपनिरीक्षक लल्लू राम गोस्वामी, प्रधान आरक्षक मुजफ्फर एवं आरक्षक अंबिका पटेल की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ध्वनि प्रदूषण फैलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मालवीय नगर मास्टर प्लान सड़क का किया निरीक्षण, मई तक कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम द्वारा शहर के सुव्यवस्थित विकास और सुदृढ़ यातायात व्यवस्था के लिए किए जा रहे कार्यों के अंतर्गत शुक्रवार को महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मालवीय नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का स्थल निरीक्षण किया। इस अवसर पर जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी श्री राजेन्द्र राठौर, क्षेत्रीय पार्षदगण, अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री श्री ओ.पी. कुशवाह, श्री नरेश जयसवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर द्वारा एम.आर. 9 मालवीय नगर गली नंबर-2 से लिंक रोड तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का अवलोकन किया गया। लगभग 0.91 किलोमीटर लंबी एवं 18 मीटर चौड़ी इस सड़क का निर्माण करीब 6.92 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। महापौर ने सड़क निर्माण के साथ-साथ जलप्रदाय लाइन, सीवरेज लाइन एवं स्टॉर्म वाटर लाइन के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

महापौर श्री भार्गव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को शीघ्र ही सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान सड़कों का निर्माण शहर के दीर्घकालीन विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे आवागमन सुगम होगा और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचना मजबूत होगी।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने क्षेत्रीय रहवासियों से संवाद भी किया। रहवासियों ने बताया कि सड़क निर्माण से पूर्व बाधक हटाए जाने और मकान टूटने के समय उन्हें पीड़ा हुई थी, लेकिन अब जिस तरह से यह सड़क आकार ले रही है, उसे देखकर संतोष और गर्व का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सड़क भविष्य में शहर की सबसे अच्छी और आदर्श सड़कों में शामिल होगी। रहवासियों ने नगर निगम द्वारा किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण और तेज़ विकास कार्यों की प्रशंसा करते हुए महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि इस मास्टर प्लान सड़क निर्माण के अंतर्गत जलप्रदाय, ड्रेनेज एवं स्टॉर्म वाटर लाइन के साथ अन्य यूटिलिटी के लिए भी समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे भविष्य में जलभराव और निकासी की समस्या नहीं होगी। निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तेजी से किया जा रहा है और इस सड़क को निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत मई माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक सुविधाओं से युक्त अधोसंरचना उपलब्ध कराना है। इसी दृष्टिकोण के साथ इंदौर को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ और स्मार्ट शहर के रूप में निरंतर विकसित किया जा रहा है।

भागीरथपुरा में हुई मौत को प्रशासन ने नकारा, लोगों में आक्रोश; शव सड़क पर रख कर किया प्रदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा में मौतों का दौर थमा नहीं है, लेकिन प्रशासन अब हो रही मौतों की वजह डायरिया नहीं मान रहा। अब तक बस्ती में 27 मौतें हो चुकी हैं। शुक्रवार को बद्री प्रसाद को उल्टी-दस्त की शिकायत के चलते अरविंदो अस्पताल में भर्ती किया गया था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई। प्रशासन ने बद्री की मौत की वजह दूसरी गंभीर बीमारी बताई, तो नाराज परिजनों ने शनिवार को शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि हम मुआवजे के कारण नहीं बोल रहे, लेकिन बद्री को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद पहले एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया था, फिर अरविंदो अस्पताल में। 63 के बद्रीलाल की मृत्यु के बाद डॉक्टरों ने शव परिजनों को सौंप दिया। शनिवार सुबह अंत्येष्टि की तैयारी हुई।

बसंत की रंगत में सरस्वती की साधना, 'मेरा आंगन' में सजी कला की दुनिया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर जब प्रकृति स्वयं पीले रंग की चूनर ओढ़े मुस्कुरा रही थी, तब सृष्टि कला कुंज कला संस्थान के परिसर में कला, साहित्य और भारतीय परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। शुक्रवार को वासंती परिवेश में आयोजित एक दिवसीय कला पर्व ने मानो कला प्रेमियों को रंगों की दुनिया में आमंत्रित कर लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन के साथ हुआ, ललित कला की साधना की। प्रदेश के वरिष्ठ एवं प्रख्यात कलाकारों ने खुले परिसर में चित्र कार्यशाला के माध्यम से सृजन करते हुए कला को जीवंत रूप दिया। ब्रश की हर रेखा में ऋतुराज बसंत की खुशबू और मिट्टी की हर आकृति में परंपरा की आत्मा झलक रही थी।

संस्था की संस्थापक एवं वरिष्ठ चित्रकार वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार इस वर्ष कला पर्व का विषय ÷मेरा आंगन÷ रखा गया था, जिसमें लगभग 50 कलाकारों ने अपने-अपने भावों, स्मृतियों और सांस्कृतिक अनुभवों को रंगों में ढालकर प्रस्तुत किया। इसी अनुरूप परिसर को विशेष रूप से वासंती शैली में सजाया गया, जहाँ पीले पुष्प, लोक सजावट और प्राकृतिक तत्वों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया। सुधा स्टूडियो, प्रगति पार्क, बड़िया कीमा, बिचौली मर्दाना स्थित परिसर में कलाकारों द्वारा रचित कृतियों को प्रदर्शनी के रूप में सजाया गया, जिसमें शहर ही नहीं बल्कि प्रदेश के नामी कलाकारों की चुनिंदा कलाकृतियाँ दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रदर्शनी में चित्रकला के साथ-साथ मूर्तिकला के भी सुंदर और सजीव उदाहरण देखने को मिले।

इस उत्सव में कैनवास पर अनुराग जाड़िया, एच एल साकवार, गौरव कुलश्रेष्ठ और पंकज खरे ने काष्ठ कला का प्रदर्शन करते हुए सुंदर कलाकृतियों का निर्माण किया। इसी तरह बृजमोहन आर्य, सुषमा श्रीवास्तव, प्रवीण खरे, प्रदीप अहीरवाल, तृप्ति गुप्ता, उमेंद्र वर्मा, गौरव, रमेश खेर, आलोक वर्मा, मधु वर्मा, हरेंद्र शाह, सुषमा जैन, ऋतिका जैन और रूचि अग्रवाल ने भी अपनी ऋतुराज वसंत पर उमड़ी भावनाओं को साकार रूप देते हुए कलाकृतिया निर्मित की। यह कला पर्व केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना, लोक परंपराओं और रचनात्मक अभिव्यक्ति का ऐसा उत्सव था, जहाँ बसंत सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि संवेदना बनकर हर कलाकार की कृति में उतर आया।

प्रतिभाओं को निखाने का काम करता है जनअभियान परिषद- जनपद उपाध्यक्ष जितेंद्रसिंह चौहान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के माध्यम से खेल के मैदान तक पहुंचा है। जन अभियान परिषद प्रतिभा को निखारने का काम कर रहा है। शिक्षा के साथ बच्चों में कौशल भी होना चाहिए, केवल पढ़ाई ही अंतिम नहीं है । उपरोक्त विचार मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा आयोजित ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के समापन अवसर पर सेक्टर कयामपुर में मुख्यअतिथि जनपद पंचायत सीतामऊ के उपाध्यक्ष जितेंद्रसिंह चौहान कोटडामाता ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि जनअभियान परिषद शासन की योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का काम कर रहीं है। साथ ही खेल के माध्यम से भी युवाओं को जोड़ रहा है। इस अवसर पर विशेष अतिथि विभाग समन्वयक विद्या भारती मंदसौर के राघवेंद्र देराक्षी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में अनेक प्रतिभागी छुपी हुई है और जन अभियान परिषद उपरोक्त आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में कर रहा है निश्चित ही वह बधाई का पात्र है। देश के विभिन्न खेलों में भी ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओ ने अपना हुनर दिखाया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष जगदीश परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद का जैसा नाम है वैसा ही काम है। शासन की योजनाओं को धरातल पर लाने के साथ ही खेल के माध्यम से बच्चों को मैदान से जोड़ने का काम कर रहा है। सेक्टर कयामपुर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कयामपुर,नाटाराम, खजूरी चंद्रावत, कचनारा, नाहरगढ़ के साथियों के साथ हायर सेकंडरी स्कूल कयामपुर के विद्यार्थियों के साथ कबड्डी, खो- खो,रसा कसी एवं मैराथन का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच पर सरपंच जगदीश माली सरकार, प्राचार्य विक्रम शर्मा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष विनय शर्मा, दीपक मंडलोई, सचिव नरेंद्र लक्षकार, रामकृष्ण शर्मा, अभिषेक सेठिया, पवन सेठिया, डॉ गोविंद सोनी, दिलीप जैन, पत्रकार दशरथ परमार, महिला बाल विकास के सुपरवाइजर सावित्री चौहान, नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक एवं परामर्शदाता हरिओम गंधर्व, परामर्शदाता हेमंत गौड उपस्थित थे। स्वागत उद्बोधन समिति के अध्यक्ष विनय शर्मा ने दिया। संचालन परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने किया। आभार अभिषेक सेठिया ने माना। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के सदस्य, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी प्रिया नीमा, महिलाओं बाल विकास विभाग से अर्चना शर्मा, पुष्पा सूर्यवंशी, नेहा भीरमा एवं मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से धारणा गंधर्व एवं समस्त विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

रतलाम/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय सम्मान कार्यक्रम का आयोजन गुलाब चक्कर पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ लीला जोशी उपस्थित रही एवं विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिका तनिष्क कुंवर सोलंकी को विशिष्ट अतिथि बनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा सहायक संचालक श्रीमती भारती डांगी द्वारा दी गई।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ लीला जोशी ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं एवं उपस्थित महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने लक्ष्य को अर्जुन की तरह साध कर उपलब्धि हासिल करें, जिस प्रकार अर्जुन ने सिर्फ अपना लक्ष्य देखकर उपलब्धि हासिल की इस तरह आप भी प्रत्येक काम को सफलतापूर्वक करके उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। डॉ जोशी ने अपनी माता की कहानी बताते हुए कहा कि उनकी माता ने किस प्रकार उनके जन्म के पूर्व ही यह निश्चित कर लिया था कि वे डॉक्टर बनेगी, क्योकि तत्समय महिलाएं स्वास्थ्यगत कारणों से काल के गाल में समा जाया करती थी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि बनी तनिष कुंवर सोलंकी ने बालिकाओं को किसी भी अनहोनी से बचने के लिए एक सेफ्टी डिवाइस बनाया है जो कि कोई भी घटना घटित होने पर माता-पिता तक 10 सेकंड में बालिका की जानकारी एवं संबंधित घटना का ऑडियो रिकॉर्ड करके जानकारी पहुंचा सकता है। उक्त सेफ्टी डिवाइस के लिए बालिका को भारत मंडपम दिल्ली में भी आमंत्रित किया गया है। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात रतलाम जिले की कक्षा दसवीं एवं कक्षा बारहवीं की राज्य एवं जिले स्तर की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं का सम्मान किया गया एवं खेलकूद में राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया। साथ ही एकल बालिका वाले माता-पिता जिनकी केवल एक ही बेटी है ऐसे परिवारों को भी सम्मान पत्र दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों को भी विभागीय योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत माताओं एवं बालिकाओं ने अपने विचार साझा किए, एक बालिका ने मैं शून्य पर सवार हूं एक कविता पाठ भी किया जिससे कि सभी बालिकाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक श्रीमती ज्योति सोनी के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन जिला समन्वयक श्री सुनील सेन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से भी निशुल्क विधिक सेवा के संबंध में जानकारी दी गई।

मनरेगा बचाओ संग्राम को मिल रहा है व्यापक समर्थन -तरुण बाहेती

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोग जब तक चैन से नही बैठेंगे जब तक सरकार मनरेगा कानून को वापस नहीं लेती हैं ।हम काम के अधिकार और प्रत्येक श्रमिक के सम्मान की रक्षा के लिए लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं ।मनरेगा बचाओ संग्राम देश के 2.5लाख ग्राम पंचायतों और करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है भारत के करोड़ों लोगों की जीवन रेखा बन चुकी मनरेगा योजना पर सरकार ने बुलडोजर चला दिया है ।और इसी के चलते हैं मनरेगा बचाओ संग्राम को मिल रहा है व्यापक समर्थन ,यह देशव्यापी संघर्ष काम के अधिकार,और जवाबदेही के संवैधानिक अधिकार की बहाली के लिए है और आप सभी इस आंदोलन से जुडिये उक्त बात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण - 2 द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत आयोजित मनरेगा चौपाल कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही । मनरेगा चौपाल का कार्यक्रम पालसोडा ,पिपलिया व्यास ,बामनिया ,भंवरासा ग्रामो मे आयोजित किया गया ।इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद सिंह चौहान (भवरासां),कार्यक्रम प्रभारी राकेश जावरिया,कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह आमली खेड़ा ,मंडलम में अध्यक्ष राकेश उपाध्याय ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया ।एवं कहां की कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं और कहा कि जब तक सरकार मनरेगा कानून को वापस नहीं लगी मनरेगा बचाओ संग्राम चलता रहेगा एव मजदुरो के अधिकारके लिए कांग्रेस सदैव खड़ी रहेगी।

गणतंत्र दिवस समारोह में प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया ध्वजोत्तोलन कर, भव्य परेड की सलामी लेगी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह परम्परांगत गरिमा के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह जिला मुख्यालय नीमच के शा.बा.उ.मा.विद्यालय क्रं.-2 नीमच पर आयोजित होगा। समारोह में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कर्मचारियों को पुरस्कारों का वितरण भी किया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योंजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति पर आधारित झांकियां निकाली जाएगी। नीमच में गणतंत्र दिवस समारोह में प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ध्वजोत्तोलन कर भव्य परेड की सलामी लेगी। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में गणतंत्र दिवस समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं मे प्रातः 8 बजें झण्डा वंदन किया जाएगा। मुख्य समारोह में प्रातः9.00 बजे प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ध्वजोत्तोलन कर, आयोजित भव्य परेड की सलामी लेंगी तथा प्रदेश की जनता के नाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन करेगें। परेड में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नीमच,सशस्त्र पुलिस बल,जिला पुलिस बल के जवानों और वन विभाग, नगर सेनाएंव एन.सी.सी.सीनियर डिवीजन स्काउट की टुकडी भी शामिल होगी। इस अवसर पर नगरपालिका ,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,कृषि,आदिम जाति कल्याण,लोक निर्माण,लोक स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण,जिला पंचायत,उद्यानिकी,जल संसाधन,ग्रामीण यांत्रिकी,महिला एंव बाल विकास विभाग सहित विभिन्न 14 विभागों द्वारा विकास गतिविधियों योजनाओं पर आधारित आकर्षक झांकिया भी निकाली जाएगी। गणतंत्र दिवस पर विकासखंड,ग्राम पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएगें और स्कूली बच्चों की प्रभात फैरी भी निकाली जायेगी।

अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश ,ए.एस.पी. श्री नवलसिंह सिसोदिया की उपस्थिति में गणतत्र दिवस समारोह की तैयारियों की फुल ड्रेस रिहर्सल(अंतिम पूर्वाभ्यास) शनिवार को शा.बा.उ.मा.वि.क्रं.-2 नीमच के मैदान पर किया गया। इस अंतिम पूर्वाभ्यास में सभी टुकडियों ने भव्य मार्च पास्ट परेड प्रस्तुत की तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग देश भक्ति पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। रिर्हसल में अपर कलेक्टर एवं ए.एस.पी.ने भव्य परेड का निरीक्षण कर,परेड कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिला फार्मासिस्ट एसोसिएशन, फार्मासिस्ट हितों हेतु गहन चर्चा की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा फार्मासिस्ट समुदाय के हितों की रक्षा एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए चलाए जा रहे प्रयासों से का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ। एमपीपीए के प्रतिनिधि मंडल ने देश के स्वास्थ्य एवं रसायन मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर फार्मासिस्ट से जुड़े मुद्दों, समस्याओं और आवश्यकताओं पर गहन चर्चा की। मंत्री ने अपने व्यस्त कार्यक्रम में से समय निकालकर प्रतिनिधि दल को समय दिया एवं सुझाए गए विषयों को गंभीरता से सुना। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश अध्यक्ष अमित ठाकुर, जबलपुर संगठन मंत्री सचिन असाटी, जिला उपाध्यक्ष सुभाष, कोषाध्यक्ष धर्मनिधि, कार्यकारिणी सदस्य शुभम असाटी, एवं जिला सचिव विकास भट्ट मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मंत्री ने फार्मासिस्ट की भूमिका पर ली जानकारी- मुलाकात के दौरान माननीय मंत्री नड्डा ने फार्मासिस्टों की उपलब्धियों, भूमिका, प्रशिक्षण, योग्यता एवं दायित्वों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने फार्मासिस्ट पेशे को स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उनकी भूमिका और योगदान को सराहा। उन्होंने उत्सुकता के साथ यह भी जाना कि किस प्रकार फार्मासिस्ट प्राथमिक, माध्यमिक एवं तृतीयक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में योगदान दे सकते हैं।

सीएचओ पद पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति का मुद्दा प्रमुखता से रखा- इस महत्वपूर्ण मौके पर एमपीपीए प्रतिनिधिमंडल ने सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) पद पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति की मांग को प्राथमिकता के साथ रखा। संगठन ने बताया कि फार्मासिस्ट वैज्ञानिक दृष्टि से प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवर हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी भागीदारी से गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ मिलेंगी। ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मासिस्ट की नियुक्ति स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करेगी। दवाइयों, रोगों, प्रोटोकॉल और दवा सुरक्षा पर फार्मासिस्ट की विशेषज्ञता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिनिधिमंडल ने सरकार को यह सुझाव भी दिया कि फार्मासिस्ट को सीएचओ और अन्य तकनीकी स्वास्थ्य पदों में समुचित स्थान देने से स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यक्षमता और पारदर्शिता बढ़ेगी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विश्वास जताया कि जल्द ही फार्मासिस्ट समुदाय को सकारात्मक संदेश मिलेगा और यह मुलाकात आने वाले समय में बेहतर नीतिगत निर्णयों का आधार साबित हो सकती है।

अद्भुत प्रस्तुतियों से सजा श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि विवाह महोत्सव, देवी-देवताओं के अवतार में सजी महिलाओं ने मोहा मन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर में रिद्धि-सिद्धि महिला मंडल पिपलियामंडी के तत्वावधान में आयोजित 5 दिवसीय श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं विवाह महोत्सव का भव्य समापन धार्मिक उल्लास एवं श्रद्धा के साथ हुआ। रिद्धि-सिद्धि महिला मंडल की संस्थापक प्रीति अग्रवाल ने बताया 19 जनवरी से 23 जनवरी देर शाम तक पुराना गाड़ी अड्डा, सब्जी मंडी परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी शानदार प्रस्तुतियां दी गईं।

महोत्सव के चतुर्थ दिवस आयोजित महिला संगीत कार्यक्रम में विशेष आकर्षण देखने को मिला। महिला मंडल की सदस्यों ने भगवान गणेश, रिद्धि-सिद्धि, राम-सीता, राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती, ब्रह्मा-सरस्वती, विष्णु-लक्ष्मी एवं हनुमानजी सहित विभिन्न देवी-देवताओं के अवतार धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा, सजीव अभिनय और भक्ति संगीत ने कार्यक्रम को अत्यंत भव्य एवं भावपूर्ण बना दिया। इसमें रामकथा प्रवक्ता सीताबहन भी शामिल हुईं। आयोजन के पहले दिन 19 जनवरी को प्रातः श्री गणेश स्थापना एवं मंडप प्रवेश के साथ शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात स्टेशन बालाजी से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक परिधान में कलश लेकर शामिल हुईं। नगर भ्रमण के दौरान श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि की मूर्तियों को बग्गी में विराजमान किया गया। दूसरे व तीसरे दिवस विभिन्न वैदिक अनुष्ठान, अभिषेक, हवन, जलाधिवास एवं हल्दी रस्म, साकड़ी, राखी तथा बन्ना-बन्नी गीतों का आयोजन हुआ, जिसमें नगर के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। पंचम एवं अंतिम दिवस श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि की शुभ बारात के साथ मंगल विवाह एवं मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान से संपन्न हुई। शाम को भंडारे का आयोजन हुआ, जो देर रात तक चला। इस संपूर्ण आयोजन का विधिवत संचालन पं. देवीलाल शर्मा (भादवामाता यज्ञाचार्य) एवं प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी द्वारा किया गया। आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती के लिए क्लस्टर का पुनः निर्धारण करें समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में बायोसर्ट कंपनी एवं बायोफार्म कंपनी एवं कृषि संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना पर चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्देश दिए गये । बैठक में उपसंचालक कृषि श्रीमती नीलम सिंह चौहान, उप संचालक उद्यानिकी श्री मंगल सिंह डोडवे सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती के लिए पिपलौदा ,रतलाम एवं जावरा ब्लाक की ग्राम पंचायतों को चयनित किया गया है।जिले में शासन के निर्देशानुसार 1 हजार हेक्टेयर मे जिले के किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रशिक्षित करने का लक्ष्य दिया गया है। कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए कि जैविक खेती के लिए ऐसे एरिया ही चयनित करे, जहां अधिकांश किसान जैविक एवं प्राकृतिक खेती कर रहे है। क्लस्टर का पुनः निर्धारण करें। ग्राम पंचायतों के चयन में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों का सहयोग ले। जिले में शासन के निर्देशानुसार जिले के किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया जाकर पूरी तरह जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती को जिले में बढ़ावा देना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने जैविक उत्पादों के विक्रय के लिए किसानों के लिए जैविक हाट की व्यवस्था करने ,जैविक उत्पाद प्रमाणीकरण करवाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री चंद्रा की संवेदनशील पहल, जन्मजात विकृति वाले 546 बच्चों के कटे होठ की निःशुल्क सर्जरी हुई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम के तहत नीमच जिले के जन्मजात विकृति वाले 546 बच्चों के उपचार की संवेदन शील पहल की गई है। इसके तहत प्रशासन द्वारा करवाए गए सर्वे में जावद विकासखंड के सिंगोली के दूरस्थ क्षेत्र में कटे फटे होठ वाले तीन बच्चे मिले जिनके परिवारजन उपचार हेतु उन्हे जिले से बाहर नहीं जा पा रहे थे।

कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशानुसार इन बच्चों के उपचार हेतु जिला चिकित्सालय नीमच में ही शिविर आयोजित किया गया। शिविर में भोपाल के मान्यताप्राप्त चिकित्सालय के विशेषज्ञों व्दारा बच्चों की जांच की गई ।जिला प्रशासन व्दारा इन बच्चों के परिवारजनों की आने जाने हेतु वाहन व्यवस्था की गई। जांच एवं परामर्श के पश्चात इन बच्चों को भोपाल सर्जरी हेतु भेजा गया। निजी चिकित्सालय में विशेषज्ञों व्दारा इन तीनो बच्चों की सफल सर्जरी की गई जिससे उनके चेहरे पर पुनः मुस्कान लौट आई है ।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की इस संवेदनशील पहल के परिणाम स्वरूप ग्राम भोजपुरा जावद के तीन वर्षीय बालक रमेश पिता ओमप्रकाश गुर्जर, ग्राम दौलतपुरा जावद की दो वर्षीय बालिका हर्शिता पिता चुन्नीलाल सालवी ग्राम बाणदा जावद के दो वर्षीय बालक रामलाल पिता उदयलाल भील की सफलता पूर्वक कटे होठ की निःशुल्क सर्जरी करवाई गई है। सर्जरी के बाद जन्मजात विकृति वाले इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है । सर्जरी के पश्चात ये बच्चे पूरी तरह स्वस्थ है अब इन बच्चों के परिजन भी खुश हैं और वे जिला प्रशासन को धन्यवाद रहे है। बच्चो के उपचार में महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है । राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत 0 से 18 वर्ष के समस्त बच्चों की जन्मजात विकृतियों की सर्जरी मान्यताप्राप्त निजी एवं शासकीय अस्पतालो में निःशुल्क कराई जा रही है नीमच जिले में अब तक 546 जन्मजात निवृति वाले बच्चों का निश्शुल्क सर्जरी एवं उपचार करवाया गया है । इस तरह कलेक्टर श्री चंद्रा की इस संवेदनशील पहल से छोटे बच्चों को ज्न्मजात विकृति से निजात मिल रही है और उनका भविष्य संवर रहा है ।

गांधीसागर डैम से चोरी की गई 1020 किलो मछली जब्त, बोलेरो पिकअप सहित आरोपी को पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा थाना निरीक्षक आरसी दांगी एवं उनकी टीम ने बोलेरो पिकअप से अवैध परिवहन की आ रही 1020 किलो मछली बरामद की है। मौके से एक आरोपी को फिलहाल पकड़ना बताया गया है।

घटना अनुसार थाना भानपुरा पर लगातार गांधीसागर जलाशय से मछली की चोरी कर ले जाने की सूचना प्राप्त हो रही थी। इस पर 23 जनवरी को सउनि सूर्यपाल मईडा को विश्वसनीय मुखबीर व्दारा सूचना प्राप्त हुई। बताया कि एक बोलेरो पिकअप में गांधीसागर डैम से अवैध रुप से निकाली गई मछली भर कर लेदी गांव से होकर दर्रा की तरफ लेकर के जाने वाला है। सूचना पर मय फोर्स के औसारा रोड पर घेराबंदी कर पिकअप को रोका। वाहन चालक ने नाम जयसिंह पिता गोपाल बैरवा उम्र 32 साल निवासी काशी थाना देवली जिला टोंक राजस्थान होना बताया। पिकअप में भरे 34 केरेट में कुल 1020 किलो ग्राम मछली होना पाई गई। जिसकी कीमत 1 लाख 2 हजार रुपये है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अवैध मछली बेचने व खरीदने वालो के खिलाफ भी कार्रवाई का डंडा घुमाया जाएगा। इस सराहनीय कार्य में निरीक्षक आरसी दांगी, सउनि सूर्यपाल मईडा, प्रआर सुरेन्द्रसिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना किसानों को मिल रही सोलर पंप की सौगात

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पी.एम.कुसुम योजना का घटक-ब प्रदेश में ''प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना'' के नाम से संचा?लित है, जिसके अंतर्गत नीमच जिले के किसानों के लिए सिंचाई की सुविधा और भी आसान हो रही है। जिले में ऑफग्रिड सोलर पंपों की स्थापना का कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिससे किसानों की बिजली पर निर्भरता कम होगी तथा खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी।

किसान-अनुकूल वित्तीय व्यवस्था- इस योजना के अंतर्गत सोलर पंप स्थापना के लिए अत्यंत सरल एवं लाभकारी वित्तीय ढांचा तय किया गया है- किसान अंशदानः केवल 10त्न केंद्र सरकार का अनुदानः 30त्न बैंक ऋ्रणः शेष 60त्न (ऋ्रण की गारंटी मध्यप्रदेश शासन द्वारा दी जा रही है।) ऋ्रण प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को नोडल बैंक नियुक्त किया गया है। योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया- योजना का लाभ प्राप्त करने एवं वेंडर द्वारा कार्य प्रारंभ करने के लिए ऋ्रण स्वीकृति अनिवार्य है। इसके लिए-कुसुम-क्च राज्य पोर्टल से AIF (Agriculture Infrastructure Fund) में ऑनलाइन आवेदन नोडल बैंक में किसान का खाता एवं ष्टढ्ढस्न की उपलब्धता डिजिटल लेंडिंग के माध्यम से बैंक द्वारा ऋ्रण की अंतिम स्वीकृति कुसुम-बी राज्य पोर्टल से फ़ (एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड) में ऑनलाइन आवेदन नोडल बैंक में किसान का खाता एवं CIF की उपलब्धता डिजिटल लेंडिंग के माध्यम से बैंक द्वारा ऋ्रण की अंतिम स्वीकृति जिले में अब तक की प्रगति 31 दिसंबर 2025 तक नीमच जिले में 1525 आवेदनों के वर्क ऑर्डर जारी किए जा चुके हैं।

सम्पादकीय

भारत आगे बढ़ रहा है, क्या हम साथ चल रहे हैं?

26 जनवरी 2026 – भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस। यह केवल तिरंगा फहराने या परेड देखने का अवसर नहीं, बल्कि वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने गुलामी की जंजीरें तोड़कर केवल आज़ादी ही नहीं, बल्कि स्वयं के शासन का संकल्प लिया। यही वह क्षण था जब राष्ट्र ने तय किया कि उसका भविष्य संविधान, न्याय और नागरिक चेतना से संचालित होगा। 26 जनवरी कोई साधारण उत्सव नहीं, बल्कि वह दिन है जब भारत अपने विवेक के सामने खड़ा होकर स्वयं से पूछता है कि क्या उसने अपने गणतंत्र को केवल स्मरण तक सीमित रखा है या उसे अपने जीवन का संस्कार बनाया है। यह दिन तिरंगे की गरिमा से पहले नागरिक के चरित्र और कर्तव्यबोध की परीक्षा लेता है। यह हमें याद दिलाता है कि आज़ादी अतीत की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्तमान की सतत जिम्मेदारी है, क्योंकि राष्ट्र का भविष्य शब्दों से नहीं, बल्कि हमारे आचरण और कर्म से निर्मित होता है।

1950 में संविधान के लागू होने के साथ भारत ने यह दृढ़ संकल्प लिया था कि यह राष्ट्र शक्ति के दबाव या भय के आधार पर नहीं, बल्कि न्याय, समानता और विधि के सिद्धांतों पर चलेगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर की चेतावनी आज भी उतनी ही प्रखर है कि संविधान की सार्थकता उसके अनुच्छेदों में नहीं, बल्कि उसे लागू करने वालों की नैतिकता में निहित होती है। सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद मूल प्रश्न यह नहीं रह गया है कि हमारे पास अधिकार हैं या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम उन अधिकारों की गरिमा को निभाने वाले उत्तरदायी नागरिक बन पाए हैं।

भारत की प्रगति आज विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही है और उसे नए दृष्टिकोण से देखने को विवश कर रही है। विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल संरचना और आर्थिक विस्तार ने यह प्रमाणित कर दिया है कि भारत असीम संभावनाओं का राष्ट्र है। वैश्विक मंचों पर भारत की उपस्थिति अब अधिक आत्मविश्वास और प्रभाव के साथ उभर रही है। नवाचार, उद्यमिता और तकनीकी दक्षता ने विकास के नए द्वार खोले हैं। स्वच्छ ऊर्जा, जैव आधारित अर्थव्यवस्था और निर्यात विस्तार ने प्रगति को नई दिशा और स्थायित्व प्रदान किया है। यह सब संकेत देता है कि भारत केवल आगे बढ़ने वाला देश नहीं, बल्कि नेतृत्व करने के लिए स्वयं को तैयार कर रहा है।

विकसित भारत की परिकल्पना अब केवल आकांक्षा नहीं, बल्कि स्पष्ट दिशा और ठोस लक्ष्य में बदल चुकी है। सम्मानजनक जीवन, सशक्त अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा की चाह हर नागरिक के मन में गहराई से समाई हुई है। जब विकास की योजनाओं में किसान, श्रमिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक समान भागीदारी निभाते हैं, तब प्रगति केवल दिखाई नहीं देती, बल्कि स्थायी रूप से जड़ें जमाती है। यह संकेत देता है कि विकास अब सीमित दायरों से बाहर निकलकर समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुँचने का संकल्प कर चुका है।

किन्तु इस प्रगति के उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी स्पष्ट दिखाई देती हैं। युवा बेरोजगारी आज सबसे गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। शिक्षित युवा अवसरों की प्रतीक्षा में हताशा और असमंजस का सामना कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था में कौशल, व्यावहारिक समझ और नैतिक मूल्यों की कमी साफ झलकती है। जब युवाओं को सही दिशा नहीं मिलती, तो उनकी ऊर्जा भटकाव में बदल जाती है। यह स्थिति केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए चेतावनी है।

पर्यावरण संकट अब अनदेखा किया जाने वाला विषय नहीं रह गया है। वायु प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन विकास की नींव को ही चुनौती दे रहा है। नदियों की बिगड़ती दशा और शहरों की विषैली हवा यह स्पष्ट कर देती है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए बिना प्रगति टिकाऊ नहीं हो सकती। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आर्थिक मजबूती नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन भी है। स्वदेशी और हरित तकनीकों को अपनाए बिना भविष्य को सुरक्षित नहीं किया जा सकता।

भ्रष्टाचार आज भी विकास पथ की सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। यह केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक स्वीकृति का रूप ले चुका है। जब नियमों को तोड़ना सामान्य व्यवहार बन जाता है, तब नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। इसके साथ ही जाति, धर्म और क्षेत्रीयता के नाम पर खींची गई रेखाएँ सामाजिक एकता को क्षति पहुँचाती हैं। विविधता भारत की पहचान है, लेकिन जब वही विभाजन का कारण बन जाए, तो गणतंत्र की नींव डगमगाने लगती है।

गणतंत्र दिवस हमें यह गहरी समझ देता है कि अधिकार और कर्तव्य एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहारे टिके हैं। कर्तव्य के बिना अधिकार अर्थहीन और कमजोर हो जाते हैं। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव को अपने आचरण का आधार बनाए। नफरत और अफवाहों के स्थान पर संवाद, सहिष्णुता और समझ को बढ़ावा देना ही सच्ची देशभक्ति का परिचय है। समस्याओं से मुँह मोड़ने के बजाय समाधान खोजने की सोच विकसित करना समय की माँग है। महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समानता और ग्रामीण विकास राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। जब तक समाज का हर वर्ग सुरक्षित, सशक्त और सम्मानित नहीं होगा, तब तक प्रगति अधूरी ही रहेगी।

वैश्वीकरण व असीमित विकल्पों के दौर में द्वंद्व रहित जीवन संभव है सहजयोग से

जीवन की परिस्तिथियों में लिप्त ना होना, सुख दुख से परे जाकर जिंदगी का आनंद उठाना यूं अपने आप में समाया होना कि , हर समस्या का समाधान सहजता से प्राप्त हो यह सब जीवन जीने की कला है जो योग के बाद ध्यान करने से मनुष्य के भीतर विकसित होती है।

जब कुंडलिनी सहस्त्रार का भेदन करती है, तो आप अपने हाथों में शीतल हवा महसूस करते हैं। यह सौम्य शीतल लहरियां हैं जो कि पवित्र आत्मा या इस सर्वव्यापी शक्ति की ठंडी हवा है। लेकिन जब आप इस अवस्था को प्राप्त करते हैं तो आप आत्मा बन जाते हैं, आप उस पहिए की तरह अत्यंत शान्त बन बन जाते हैं, जो गतिशील है। और अगर आपका चित्त पहिए पर है, उसकी परिधि पर है, तब आपका मन भी हर समय चलायमान रहता है। लेकिन अगर आप पहिए की धुरी पर चित्त डालें, तो यह मौन है। अतः आप पूर्ण मौन के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और आप वहाँ से हरेक चीज़ को एक नाटक, एक लीला की तरह देखते हैं। यह सब चीजें आपके साथ सहज ही घटित होती हैं। आप पहले से ही इसी तरह से बनाए गए हैं जिस तरह यहां सभी बिजली के बल्ब पहले से ही लगे हुए हैं, उसी प्रकार आपके अंदर ही सब कुछ बना बनाया हुआ है। अगर आपको रोशनी करनी है तो आपको बस उस बटन को दबाना मात्र है।

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी जी के 5 अगस्त 1991 के प्रवचन से साभार- हम देख रहे हैं विश्व कितनी तेजी से बदल रहा है। तकनीकी विकास ने, इस ग्लोबलाइजेशन ने जैसे विश्व को एक सूत्र में जोड़ दिया है। परंतु साथ ही साथ हम एक अशांति में प्रवेश होने से स्वंय को बचा नहीं पा रहे हैं। तकनीकी विकास ने मानवता, इंसानियत और भाई चारे को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इंसान भी जैसे भावहीन मशीन सा बन गया है. बस पैसे कमाना, सुख सुविधाओं का उपयोग यही जिंदगी बन गई है। धर्म, राजनीति, परिवार और समाज हर जगह द्वंद्व है. जो जन साधारण के अंतर में बेचैनी का भाव भर रहा है. . वर्तमान में स्थिति यह है कि हमारे आसपास के बदलते परिवेश का प्रभाव हम पर इतना अधिक होता है कि हम हम एक बेचैनी से भरा जीवन जीने को विवश होते हैं. शांति से यदि जीवन जीना है तो हमें ध्यान योग से जुड़ना चाहिए. सहज योग से जुडने पर जब हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जब जागरण होता है तब हमारे अंदर कई गुण विकसित होते हैं जिसमें एक गुण है साक्षी भाव। साक्षी भाव के जागृत होते ही हम पर आसपास के घटनाओं का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और हम हर एक घटना को साक्षी बनकर देखने लगते हैं।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

जल है तो जीवन है-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है।

दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बर्बादी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है।

जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बर्बादी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल गया और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले।

दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलिनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है। अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। समाधान का रास्ता स्पष्ट है-कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है। जल है तो जीवन है-इस सत्य को हमें व्यवहार में उतारना होगा। भ्रष्टाचार मुक्त जल प्रबंधन, जिम्मेदार प्रशासन और जागरूक नागरिक ही हमें इस 'जल-संकट' से बचा सकते हैं। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब इतिहास गवाह बनेगा कि मानव ने अपने ही हाथों से जीवन के स्रोत को नष्ट कर दिया। भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन उपायों को अपनाकर भविष्य के जल संकट को कम किया जा सकता है।

-ललित गर्ग

अध्यात्मिक गौरव से ओतप्रोत भारतवर्ष, महान ग्रंथों से उत्सर्जित भारतीय चिंतन

वेद तथा सनातनी ग्रंथों से पाठन-पठन से मानव जीवन परिष्कृत होता है और सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान मानव धर्मार्थ की खोज में एक यज्ञ की तरह हैद्य

भारतीय ऋग्वेद, अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के पूरे विश्व मैं परमाणु युद्ध की संभावना बनी हुई है। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी।

गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण हैद्य व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन हैद्य हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता हैद्य पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो। जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत होद्य इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते।

-संजीव ठाकुर

कन्यादान नहीं, सम्मान चाहिए

आज विश्व बालिका दिवस मनाया जा रहा है। देश और दुनिया में इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ और प्रतीकात्मक आयोजन हो रहे हैं। मंचों से बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की बातें कही जा रही हैं। लेकिन यह प्रश्न बार-बार सामने आता है कि क्या किसी एक दिवस का आयोजन वास्तव में उस गहरी सामाजिक समस्या का समाधान कर सकता है, जो पीढ़ियों से बालिकाओं के जीवन को प्रभावित करती आ रही है। सम्मान किसी कैलेंडर की तारीख से तय नहीं होता, बल्कि वह समाज के दैनिक व्यवहार, सोच और निर्णयों में परिलक्षित होता है।

भारतीय समाज में बालिका को लेकर एक विचित्र विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर उसे देवी, शक्ति और लक्ष्मी का रूप कहकर पूजनीय माना जाता है, दूसरी ओर उसी बालिका के जीवन पर सबसे अधिक नियंत्रण और प्रतिबंध लगाए जाते हैं। जन्म से पहले चयन, जन्म के बाद भेदभाव और बड़े होते-होते अपेक्षाओं का बोझ–यह सब उसकी नियति का हिस्सा बना दिया जाता है। पूजा और अधिकार के बीच की यह दूरी यह स्पष्ट करती है कि हमारे सामाजिक मूल्यों में अभी भी गहरी असंगति मौजूद है।

बालिका के जीवन में असमानता केवल व्यवहार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह भाषा, परंपराओं और संस्कारों के माध्यम से भी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है। इन्हीं परंपराओं में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील शब्द है– कन्यादान। दान का अर्थ है किसी वस्तु को सौंप देना, लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है, जिसकी अपनी चेतना, इच्छा और भविष्य है। ऐसे में विवाह के समय उसका ÷दान÷ किया जाना न केवल भाषा की समस्या है, बल्कि सोच की भी गंभीर समस्या है।

विवाह भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्कार माना जाता है। लेकिन संस्कार वही सार्थक होता है, जो समानता और सहमति पर आधारित हो। कन्यादान की अवधारणा पिता को दाता और बेटी को दान बना देती है, जिससे असमानता का भाव स्वतः स्थापित हो जाता है। इसके विपरीत पाणिग्रहण जैसी अवधारणा साझेदारी और स्वीकार का भाव देती है। समय की माँग है कि समाज भाषा के साथ-साथ उस सोच पर भी पुनर्विचार करे, जो इन शब्दों के पीछे छिपी हुई है।

दुखद तथ्य यह है कि आज भी देश के अनेक हिस्सों में बालिकाओं से उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में औपचारिक रूप से भी राय नहीं ली जाती। शिक्षा, विवाह और करियर जैसे विषयों पर अंतिम निर्णय परिवार या समाज द्वारा लिया जाता है। बालिका से अपेक्षा की जाती है कि वह परिस्थितियों को स्वीकार करे और चुपचाप निभाए। यह चुप्पी धीरे-धीरे उसके जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाती है और संघर्ष का रूप ले लेती है।

बालिका का संघर्ष बचपन से ही आरंभ हो जाता है। कभी संसाधनों की कमी के रूप में, कभी सुरक्षा के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों के रूप में। उसे हर चरण पर स्वयं को सिद्ध करना पड़ता है, फिर भी उस पर संदेह किया जाता है। समाज उससे त्याग, सहनशीलता और समर्पण की अपेक्षा करता है, लेकिन बदले में उसे समान अधिकार देने से कतराता है। यह असंतुलन ही असली समस्या की जड़ है।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि बेटियाँ परिवार की इज़्ज़त होती हैं। लेकिन इस इज़्ज़त की कीमत अधिकांश मामलों में उनकी स्वतंत्रता से चुकाई जाती है। इज़्ज़त किसी एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं टाली जा सकती। वह सामूहिक आचरण, नैतिकता और समानता से बनती है। किसी की आज़ादी सीमित करके समाज अपनी गरिमा नहीं बचा सकता, बल्कि उसे और कमजोर ही करता है।

बालिका दिवस के अवसर पर कन्या पूजन और सम्मान की बातें बड़े स्तर पर की जाती हैं। लेकिन वास्तविक सम्मान पूजा की थाली से नहीं, बल्कि समान अवसरों से मिलता है। जब बालिका को पढ़ने, आगे बढ़ने और अपने सपने चुनने की स्वतंत्रता मिले, तभी सम्मान का अर्थ सार्थक होगा। जब उसकी 'ना' को भी उतनी ही गंभीरता से लिया जाएगा, जितनी 'हाँ' को, तभी उसे सशक्त कहा जा सकेगा।

यह स्वीकार करना होगा कि केवल कानून और योजनाएँ पर्याप्त नहीं हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अनेक नीतियाँ बनाई गई हैं, लेकिन सामाजिक सोच में परिवर्तन के बिना उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। जब तक परिवार और समाज अपनी मानसिकता नहीं बदलते, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। सामाजिक सुधार का आरंभ घर से होता है, न कि केवल मंच और भाषण से।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बालिका को दया या संरक्षण की दृष्टि से न देखा जाए। उसे ÷कमज़ोर÷ नहीं, बल्कि समान और सक्षम नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। उसके अधिकारों को अनुग्रह नहीं, बल्कि संवैधानिक हक़ के रूप में समझा जाए। बालिका दिवस का उद्देश्य भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि व्यवहारिक बदलाव होना चाहिए।

समाज को यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वह वास्तव में बालिकाओं को बराबरी का जीवन दे पा रहा है। क्या घरों में, स्कूलों में और कार्यस्थलों पर बेटियों को वही सम्मान और अवसर मिल रहे हैं, जो बेटों को मिलते हैं। यदि उत्तर नकारात्मक है, तो बालिका दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन बनकर रह जाएगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि बालिकाएँ किसी एक दिवस की प्रतीक नहीं हैं। वे समाज और राष्ट्र का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी। कन्यादान की मानसिकता से बाहर निकलकर कन्या-स्वाधिकार को अपनाना ही एक संवेदनशील और आधुनिक समाज की पहचान है। जब तक बालिका को सम्मान के साथ जीने का अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक किसी भी दिवस का उत्सव अधूरा ही रहेगा। यही विश्व बालिका दिवस की वास्तविक और स्थायी सार्थकता है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में खामोशी से आगे बढ़ रही एआईः शुरुआती तकनीकी फायदे जीडीपी में क्यों नहीं दिख रहे

अधिकांश सरकारी आंकड़ों को देखें तो लगता है कि भारत में कामकाज की रफ्तार (उत्पादकता) में कोई खास बदलाव नहीं हो रहा है। कामगारों की उत्पादकता में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है और उनकी पगार भी थोड़ी-थोड़ी बढ़ रही है। हालांकि काम करने की क्षमता लगभग वैसी ही है। अगर हम केवल इन आंकड़ों पर ध्यान दें, तब यह मानना भी तर्कसंगत होगा कि भारत में काम करने के तरीके में ज्यादा बदलाव नहीं आया है।

हालांकि अब इसे भी मानना मुश्किल होता जा रहा है। दफ्तरों, कॉल सेंटर, सॉफ्टवेयर बनाने वाली टीमों और सरकारी विभागों के अंदर, काम करने का तरीका बदल रहा है। अब फैसले जल्दी लिए जा रहे हैं। अब मसौदों पर काम जल्दी पूरा हो जाता है। गलतियां पहले ही पकड़ में आ रही हैं। आपस में तालमेल बिठाने में कम समय लग रहा है। हालांकि, ये सब देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) या श्रम उत्पादकता के आंकड़ों में साफतौर पर नहीं दिखता है लेकिन ये बदलाव हमारे रोजमर्रा के कामकाज को प्रभावित कर रहे हैं।

भारत के समग्र उत्पादकता आंकड़े, इस बदलाव को मुश्किल से ही दर्ज करते हैं। जीडीपी में अचानक कोई उछाल नहीं आई है। वेतन में भी कोई तेज बढ़ोतरी नहीं दिखी है। श्रम उत्पादकता के आंकड़ों में 'आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) लाभांश' के बहुत कम संकेत दिखते हैं। कई विश्लेषकों के हिसाब से यह उसी आशंका की पुष्टि करता हुआ लगता है कि एआई के बारे में जितना बताया जा रहा है वह उतना भी कमाल का नहीं है। हालांकि अभी यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। समस्या एआई नहीं हो सकती है। समस्या यह हो सकती है कि उत्पादकता को कैसे मापा जाता है।

उत्पादकता को मापने के ज्यादातर तरीके उस दौर के हिसाब से बने हैं जब औद्योगिक अर्थव्यवस्था का दौर था। कारखानों में इंसानी दिमाग का इस्तेमाल कम होता था और अधिकांश काम मानव श्रम से जुड़ा होता था। उस वक्त अगर किसी कंपनी को अधिक सामान बनाना होता था, तो कंपनी को ज्यादा लोगों को नौकरी पर रखना पड़ता था, ज्यादा मशीनें लगती थी, या फिर कर्मचारियों से अधिक घंटे काम करवाया जाता था। एआई इस मॉडल से मेल नहीं खाता। यह बिना ज्यादा लोगों को नौकरी पर रखे या ज्यादा वक्त लगाए, सोचने-समझने में मदद करता है। नतीजतन इसके कई फायदे आंकड़ों में साफतौर पर नहीं दिखते लेकिन ये फायदे कंपनियों को मिल जाते हैं।

हालांकि यह पहेली केवल भारत के लिए अनूठी नहीं है। अमेरिका में भी, पिछले दस साल से कर्मचारियों की उत्पादन क्षमता (श्रम उत्पादकता) में हर साल सिर्फ औसतन 1 से 1.5 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। वर्ष 2022 के आखिर में जेनरेटिव एआई टूल्स आने के बाद भी इसमें कोई खास तेजी नहीं आई है। यह हैरान करने वाली बात है क्योंकि अमेरिका में लोगों ने इसे बहुत जल्दी अपना लिया है। वर्ष 2024 तक, लगभग एक-तिहाई अमेरिकी कर्मचारी अपने काम के लिए जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल कर रहे थे।

लोग एआई को खूब अपना रहे हैं, लेकिन उत्पादकता में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं दिख रही है। आजकल एआई को लेकर पूरी दुनिया में हो रही बहस के बीच में यही तनाव है। हालांकि अगर आप गहराई से देखेंगे, तो यह उलझन थोड़ी कम होती दिखेगी। व्यक्तिगत स्तर के कामों को देखा जाए तो एआई का असर ज्यादा होता है। ग्राहक सेवा पर किए गए प्रयोगों से पता चला है कि एआई की वजह से काम करने की रफ्तार औसतन 14 फीसदी तक बढ़ जाती है। नए या कम अनुभवी कर्मचारियों के लिए तो यह बढ़ोतरी 30 फीसदी से भी ज्यादा हो जाती है। इसके साथ ही, जवाब देने का तरीका बेहतर होता है और गलतियां कम होती हैं और कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर भी घट जाती है। प्रबंधन सलाहकारों से जुड़ी शोध रिपोर्ट से पता चला है कि एआई की वजह से काम जल्दी पूरा होता है और आपस में तालमेल भी बेहतर होता है। ये फायदे भी बहुत मायने रखते हैं लेकिन ये ज्यादातर आंकड़े उत्पादन बढ़ोतरी के रूप में नहीं दिखते हैं। कंपनियां इनका इस्तेमाल काम को जल्दी पूरा करने, प्रशिक्षण का खर्च कम करने, जवाब देने के तरीकों में एकरूपता लाने और आंतरिक स्तर के कामकाज को आसान बनाने के लिए करती हैं। हालांकि जितने फोन कॉल किए जाते हैं या जितनी रिपोर्ट बिल की जाती हैं, उनकी संख्या अधिकांश वही रहती है। ऊपर से देखने में लगता है कि उत्पादन में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन अंदर ही अंदर काम करने का तरीका बदल जाता है।

भारत में भी यही रुझान देखने को मिल रहा है। बड़ी आईटी सेवा कंपनियां बता रही हैं कि जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल करके कुछ खास तरह के कामों में कोडिंग और टेस्टिंग का वक्त 20 से 30 फीसदी तक कम हो गया है। फिर भी, काम और कुल कमाई में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है। तेजी से काम पूरा होने का फायदा, अधिकांश निश्चित कीमत वाले अनुबंध, मुनाफे की सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण में चला जाता है, न कि ज्यादा उत्पादकता में। राष्ट्रीय लेखांकन के नजरिए से देखें तो इस क्षेत्र में कुछ खास होता हुआ दिखाई नहीं देता। इसका कारण काफी सरल है। एआई मुख्य रूप से समय बचाता है लेकिन श्रम नहीं। यह ड्राफ्ट तैयार करने, सर्च करने, त्रुटियां सुधारने, सारांश तैयार करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज कर देता है। हालांकि, उत्पादकता के आंकड़े प्रत्येक घंटे के काम से होने वाले 'उत्पादन' में बदलाव को मापने के लिए बने हैं, न कि इस बात को मापने के लिए कि अनिश्चितता कितनी जल्दी दूर हुई या समन्वय के स्तर में कितना सुधार हुआ। इसमें एक और अनदेखा पहलू भी है। उत्पादकता विश्लेषण का पूरा ध्यान 'औसत' पर होता है जबकि एआई का सबसे निरंतर प्रभाव 'विविधता' में है। कम प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों में सबसे अधिक सुधार देखा जाता है। गलतियां कम होती हैं और परिणाम अधिक विश्वसनीय हो जाते हैं। कंपनियों के लिए, उच्च औसत उत्पादन के साथ-साथ विश्वसनीयता और निरंतरता भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण होती है। सरकारी आंकड़ों में ये बदलाव मुश्किल से ही दिखाई देते हैं। आर्थिक इतिहास हमें एक महत्त्वपूर्ण बात याद दिलाता है। बिजली के आने के शुरुआती दशकों में, उत्पादकता की वृद्धि धीमी रही क्योंकि उस समय कारखानों ने इलेक्ट्रिक मोटरों का उपयोग केवल भाप के इंजनों को बदलने के लिए किया था। दशकों बाद उत्पादकता में भारी उछाल तब आई जब उत्पादन के पूरे तरीके को बिजली की व्यवस्था के अनुसार फिर से व्यवस्थित किया गया। इसी तरह, 1987 में अर्थशास्त्री रॉबर्ट सोलो ने कहा था कि कंप्यूटर हर जगह दिखाई दे रहे हैं लेकिन 'उत्पादकता के आंकड़ों' में उनकी अनुपस्थिति है।

-धनंजय राजौरा

सोनकच्छ को स्वच्छता प्रणाली में बेहतर बनाने के लिए आयुक्त ने दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ शहर जोडी अभियान मे निगम स्वच्छता टीम को आयुक्त दलीप कुमार ने सोनकच्छ परिषद की स्वच्छता प्रणाली को ओर बेहतर बनाये जाने हेतु कार्यशाला अयोजित कर ट्रेनिंग के दिये निर्देश।

आयुक्त के निर्देश पर क्षमता वर्धन कार्यशाला की अयोजित- आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा दिये गये निर्देशानुसार देवास निगम स्वच्छता टीम लीडर सौरभ त्रिपाठी एवं विशाल जोशी, अरूण तोमर ने स्वच्छता प्रणाली क्षमता वर्धन कार्यशाला सोनकच्छ परिषद में सोनकच्छ उपयंत्री (स्वच्छता प्रभारी) जितेन्द्र मारू, केपीएमजी खिलेश नारायणे से विस्तृत चर्चा कर आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता सहायकों के लिये क्षमता वर्धन कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत साफ– सफाई, वहां के कचरा संग्रहण वाहन के ड्रायवर एवं हेल्परों को, डि–स्लज वाहनों के आपरेटरों को गीले एवं सुखे कचरे के प्रथक्कीकरण, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों एवं उपायों तथा पीपीई कीट के सही उपयोग के बारे मे पुन- ट्रेनिंग दी गई।

साप्ताहिक रिपोर्ट नही देने पर आयुक्त ने जताई अप्रसन्नता, सोनकच्छ स्वच्छता प्रभारी को दिये सख्त निर्देश

ट्रेनिंग देने एवं किये जा रहे स्वच्छता के कार्यो की मानिटरिंग की रिपोर्ट सोनकच्छ स्वच्छता प्रभारी जितेन्द्र मारू से प्राप्त करने के टीम देवास को पूर्व में आयोजित कार्यशाला मे निर्देश दिये गये थे।

सोनकच्छ परिषद स्वच्छता प्रभारी जितेन्द्र मारू एवं केपीएमजी से खिलेश नारायणे द्वारा स्वच्छात के कार्यो की मानिटरिंग कर रिपोर्ट से देवास टीम को अवगत नही कराने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुये श्री मारू को टीम के माध्यम से स्वच्छता, साफ सफाई कचरे का प्रथक्कीकरण पर फोकस देने के साथ ही साप्ताहिक रिपोर्ट देवास टीम को दिये जाने के सख्त निर्देश दिये।

स्वच्छता के कार्यो में नियमितता एवं पारदर्शिता रखें- आयुक्त दलीप कुमार नें सोनकच्छ परिषद मे चल रहे स्वच्छता के कार्यो में नियमितता एवं पारदर्शिता रखने के साथ कार्य के दौरान सफाई मित्रों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पर फोकस कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने हेतु जितेन्द्र मारू को कहा। तत्पश्चात टीम ने सोनकच्छ परिषद के प्रोसेसिंग प्लांट का भी निरीक्षण किया।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में बसंत महोत्सव मनाया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन एवं चेयरमैन के शुभाशीष और कुशल मार्गदर्शन में, अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान में ज्ञान की देवी मां सरस्वती और आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरी का विधि-विधान से पूजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संहिता, सिद्धांत एवं संस्कृतम् विभाग द्वारा आयोजित मॉडल प्रदर्शनी प्रतियोगिता रही। सत्र 2024-25 बैच के छात्र-छात्राओं ने आयुर्वेद के विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित आकर्षक मॉडल निर्मित किए और उनका विस्तार से वर्णन किया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. अजय गुर्जर, डॉ. विक्रम शर्मा एवं डॉ. नरेंद्र कटारिया ने निभाई। प्रतियोगिता के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अभिजीत तायडे, जनरल मैनेजर डॉ. मनीष शर्मा, प्राचार्या डॉ. अनीता घोडके और एम.एस. डॉ. अजय गुर्जर का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अश्विन पंड्या द्वारा किया गया। इस गौरवमयी आयोजन में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को आयुर्वेद के क्षेत्र में निरंतर सीखने और शोध करने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य मे निकाली पदयात्रा, मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेरा युवा भारत केन्द्र शाजापुर शनिवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य मे शासकीय उमावि ग्राम दुपाडा मे पदयात्रा निकालकर लोगों को मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

सामाजिक कार्यकर्ता वीरेन्द्र पाटीदार, प्राचार्य राउना सिद्धकी, प्राचार्य के विशेष आतिथ्य एवं उप सरपंच प्रतिनिधि विशाल सोनी के आतिथ्य मे जिला युवा अधिकारी सागर वाधवानी द्वारा राष्टीय मतदाता दिवस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए केन्द्र के द्वारा आयोजित कार्यक्रमो की जानकारी दी गई। इसके बाद युवाओ द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता की शपथ ली। इसके बाद उपस्थित अतिथियो द्वारा पदयात्रा निकाली गई जिसे अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पदयात्रा ग्राम के विभिन्न मार्गो से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर पर समाप्त हुई। जहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीरेन्द्र पाटीदार ने कहा कि किस प्रकार आपका एक मत देश के विकास की राह आसान कर सकता है। प्रत्येक 18 साल से अधिक उम्र के युवाओ को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। द्वितीय वक्ता के रूप मे विद्यालय के प्राचार्य श्री सिद्धकी ने कहा कि राष्टीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन प्रशासन द्वारा नये मतदाताओ को जोडने के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है। कार्यकम का संचालन केन्द्र के पूर्व राष्टीय युवा कोर स्वयंसेवक नरेन्द्र पाटीदार ने किया एवं आभार सोनु कालमा ने माना।

सड़क सुरक्षा जीवन की रक्षा का मूल मंत्र है- पवन बागड़ी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। साईनाथ मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल में यातायात सप्ताह के अंतर्गत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन बागड़ी ने विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, लाइसेंस बनवाने, और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। श्री बागड़ी ने बताया कि देवास में 2025 से अब तक 346 मोटर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें से 180 से 200 मौतें सर पर गंभीर चोट लगने के कारण हुई हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार और पड़ोसियों को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। संचालक शकील कादरी ने बताया कि यातायात के प्रति जागरूकता करने के लिए यातायात विभाग पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में पवन बागड़ी मुख्य अतिथि के रूप में एवं सूबेदार राहुल सिंह चंदेल, सूबेदार गोविंद सिंह गौड़ भी इस अवसर पर विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहे। टी आई पवन बागड़ी ने बच्चों के बीच प्रश्नोत्तरी के माध्यम से बहुत ही सामान्य तरीके से गाड़ी तेज चलाने, हेलमेट नहीं पहनने, बगैर लाइसेंस के गाड़ी चलाने के नुकसान समझाएं एवं बच्चों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि वह अपने घर, अपने पड़ोसी, अपने रिश्तेदारों को हेलमेट पहनकर गाड़ी चलवाए एवं खुद जो 18 साल से ऊपर नहीं है वह गाड़ी नहीं चलाएं।

केपी शासकीय महाविद्यालय में बसंतोत्सव एवं सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की त्रैमासिक गतिविधि अंतर्गत बसंतोत्सव एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती के अवसर पर व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आर.एस.अनारे ने की। सरस्वती के आराधना पर्व पर महाविद्यालय परिवार द्वारा मां शारदे का सामूहिक पूजन किया गया। डॉ. जया गुरनानी ने सरस्वती वंदना की मधुर प्रस्तुति दी। प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों का उत्तरीय से स्वागत किया गया। बसंत पंचमी के महत्व पर केन्द्रित विशिष्ट व्याख्यान के अंतर्गत विद्यार्थी वर्ग की ओर से रोहित बैरवा ने अपने विचार रखे।

मुख्य वक्ता डॉ. लीना दुबे ने अपने वक्तव्य में बसंतोत्सव को प्रकृति पूजन का दिवस बताते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में बासंती रंग को विभिन्न संदर्भो जैसे -ऋषियों, कृषकों, नारी सौभाग्य, शहीदों, विद्यार्थियों आदि में विभिन्न अर्थ में व्याख्यायित किया गया है। वर्तमान दौर में मानव पीढ़ी प्रकृति से दूर होती जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन विकराल रूप लेता जा रहा है,जो संयुक्त राष्ट संघ द्वारा घोषित सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न कर रहा है।

डॉ. दुबे ने अपनी मौलिक कविता चहुँओर खुशियों की रंगत लाया.... बसंत है आया के माध्यम से सदन में प्रकृति से जुड़ाव का संदेश दिया।

सुभाषचंद्र बोस के क्रांतिकारी विचार एवं राष्ट निर्माण के आदर्श विषय पर आयोजित परिचर्चा में डॉ. सीमा सोनी, श्याम श्रीवास्तव, राधिका शर्मा एवं ऋतिक बैरागी ने सहभागिता की और देश की आजादी के संघर्ष को अपने अपने शब्दों में व्यक्त किया। भारतीय ज्ञान परम्परा की गतिविध्यिों में नवाचार को अपनाते हुए डॉ. रश्मि ठाकुर एवं श्री राकेश कोटिया के निर्देशन में विनोद प्रजापति, अंशुल चौहान, कुमकुम राजपूत, मुस्कान लोधी एवं समूह द्वारा नेताजी के तुलादान प्रसंग पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई। डॉ. लीना के निर्देशन में लोकगीत एवं लोकनृत्य की सुंदर प्रस्तुति देते हुए रविना नागर ने बसंतोत्सव को आनंदोत्सव का रूप प्रदान किया। डॉ. विद्या माहेश्वरी द्वारा विद्यार्थियों की सांस्कृतिक टीम को प्रोत्साहन राशि भेंट की गई।

नवाचार की ही श्रृंखला में बसंत पंचमी के दिन निराला की जन्मतिथि पर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ममता झाला द्वारा उनकी रचित सरस्वती वंदना-वर दे वीणा वादिनी.....सखि बसंत आया.... अब सुन गुलाब..... दो टूकडे कलेजे के करता.... वह तोड़ती पत्थर जैसी काव्य रचना के उदाहरणों द्वारा उन्हें भाव सुमन अर्पित किए।

उच्च शिक्षा विभाग भोपाल व राज्य आनंदम संस्थान से प्राप्त निर्देशों के पालन में विद्यार्थियों में सहजता, आत्म स्वीकृति, आत्म संवेदना एवं मानवीय मूल्यों के संवर्धन के उद्देश्य से महाविद्यालय में गठित आनंदम समिति ने आनंद संवाद तथा आनंद सर्कल के गठन संबंधी कार्यक्रम के माध्यम से तनाव, चिंताओं को दूरकर विद्यार्थियों को आनंद के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया । अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अनारे ने आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की और विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ संतुलन बनाने की प्रेरणा दी।

डॉ. आर.के. मराठा, डॉ. भारती कियावत, डॉ. जरीना लोहावाला, डॉ. आराधना डिकुना के साथ ही सभी प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। रजत राठौर एवं दीपक अटारिया का विशेष सहयोग रहा।

बसंत ऋतु और नेताजी के कृतित्व से जुड़ी सुंदर पंक्तियों, प्रसंगों के साथ कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यम सोनी ने किया तथा आभार डॉ. माया ठाकुर ने व्यक्त किया।

गौ माता को राज्य माता का दर्जा दिलाने आज सड़क पर उतरेंगे गौ भक्त

गौरक्षा सेना ने गांव-गांव किया संपर्क, संत समाज भी होगा शामिल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गौरक्षकों द्वारा गौ माता के सम्मान में गौ माता सम्मान यात्रा निकाली जा रही है। इसके लिए गौरक्षकों द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, जिन्होंने जिले के 100 से अधिक गांवों में संपर्क करने के साथ ही नगर में भी लोगों से संपर्क कर गौ माता के सम्मान में अधिक से अधिक संख्या में इस यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

गौ रक्षा सेना ने बताया कि यह यात्रा नगर में 25 जनवरी को दोपहर 12 बजे एबी रोड स्थित मां राजराजेश्वरी माता मंदिर से प्रारंभ होगी। जो एबी रोड, बस स्टैंड, नई सड़क होते हुए आजाद चौक पहुंचेगी। जहां इस यात्रा में शामिल होने वाले संतों का उद्बोधन होगा जो गौ माता की महिमा के बारे में आमजनों को बताएंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन में गौ माता को राज्य माता का दर्जा दिए जाने, गौ तस्करी पर सख्त कानून बनाने, गौ हत्या पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाए जाने सहित 18 मांगे शामिल की जाएंगी।

100 गांवों में किया संपर्क, बैठक में बनाई रूपरेखा- नगर में पहली बार रविवार को वृहद स्तर पर गौ माता के सम्मान में यह यात्रा निकाली जा रही है, जिसके लिए गौरक्षा सेना द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की गई हैं। इसके लिए गांवों में भी संपर्क किया जा रहा है। इसके लिए 100 से अधिक गांव के लोगों से संपर्क कर उन्हें इस यात्रा का उद्देश्य और गौमाता की महिमा के बारे में बताया गया। इसके अलावा शुक्रवार शाम को कांजी हाउस में भी गौरक्षा सेना ने बैठक का आयोजन कर कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे ओर आयोजन को सफल बनाने हेतु रूपरेखा तय की।

ये संत होंगे शामिल- रविवार को निकलने वाली इस गौसम्मान यात्रा में आचार्य शेखर महाराज जी उज्जैन, गोविंद जाने दस्ता खेड़ी शाजापुर, उमेश नाथ जी महाराज उज्जैन, साध्वी प्राची जी, अनुज दास जी महाराज, अर्द्धनारेश्वर डॉ कामाक्षी नंद गिरी महाराज, कथावाचक अवनीश जी दस्ता खेड़ी, चरणसिंह गुर्जर पंडा जी (देव स्थान मनासा) व स्वामी रामगिरी जी डंडा वाले महाराज भी शामिल होंगे। जो एक स्वर में गौ माता के सम्मान, संरक्षण एवं गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग करेंगे।

जम्मू कश्मीर की बर्फबारी ने शहर को बनाया शिमला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के मौसम ने एक बार फिर करवट बदली और मौसम अचानक सर्द हो गया। जबकि एक दिन पहले लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा था और रात का तापमान भी 16 डिग्री तक पहुंच गया था। लेकिन शुक्रवार को हुई बर्फबारी ने नगर को भी शिमला बना दिया।

इस दिन तापमान तो 11 डिग्री रहा, लेकिन 17 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने मौसम को सर्द बनाए रखा। सुबह तो हवाओं की गति सामान्य थी, लेकिन शाम को फिर हवाओं की गति बढ़ी जिसने सर्दी का ग्राफ और बढ़ा दिया। यही कारण था कि नगर के बाजारों में भी समय से पहले सन्नाटा पसर गया। इस दिन अधिकतम तापमान 25.2 व न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री दर्ज किया गया।

अभी नहीं सर्दी से राहत, मौसम रहेगा सर्द- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आसमान पर बादल तो छाए रहेंगे, लेकिन सर्द हवाओं का सिलसिला यूं ही जारी रहेगा। जिसके चलते मौसम सर्द बना रहेगा। उन्होंने बताया कि बीच-बीच में जरूर मौसम सामान्य हो गया था, लेकिन बर्फबारी के चलते यहां का मौसम फिर सर्द हो गया है। जिसके चलते इस पूरे सप्ताह सर्द हवाएं लोगों को सर्दी का एहसास कराएगी। इसके अलावा 29-30 जनवरी में हल्की बूंदाबांदी की भी संभावना है।

फरवरी से गर्म होने लगेगा मौसम- मौसम विभाग की माने तो 31 जनवरी के बाद सर्दी गायब हो जाएगी और फरवरी माह से मौसम पूरी तरह बदल जाएगा। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार फरवरी माह से गर्मी का एहसास होने लगेगा और तापमान में भी बढ़ोत्तरी होगी।

पहले लिया आशीर्वाद, फिर मंदिर में ही किया हाथ साफ

सीसीटीवी फुटेज में चोरी करते दिखे बदमाश, पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया थानांतर्गत ग्राम जावदी स्थित मंदिर में दो बदमाशों ने हजारों के सामान पर हाथ साफ कर दिया। पहले तो बदमाशों ने मंदिर में प्रवेश करते ही भगवान को प्रणाम किया। इसके बाद एक के बाद एक दो बदमाश मंदिर में घुसे, जिन्होंने वहां से दानपेटी में रखी नगदी और प्रतिमाओं के आभूषण चुरा लिए। बदमाशों की यह हरकत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात चोर दिखाई दे रहे हैं। इसमें से एक ने मंदिर में प्रणाम किया और इसके बाद दिया चोरी की घटना को अंजाम। पुलिस ने मंदिर समिति अध्यक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद शनिवार सुबह थाना प्रभारी भीम सिंह पटेल अपनी टीम के साथ मंदिर पहुंचे। मंदिर समिति अध्यक्ष कमल सिंह राजपूत (44) ने मोहन बड़ोदिया पुलिस को बताया कि उन्हें 23 जनवरी की सुबह करीब 5.30 बजे सुरेश कुमार प्रजापत ने मंदिर का ताला टूटने की सूचना दी थी। सुबह 6.30 बजे समिति सदस्यों के साथ मंदिर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि अज्ञात बदमाशों ने मंदिर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुजारी के अनुसार चोरों ने हनुमान मंदिर से एक बड़ा चांदी का छत्र, एक मुकुट, चार छोटे छत्र और एक चांदी का हार चुराया। इसके अलावा परिसर में स्थित माता मंदिर से एक चांदी का मुकुट और फूल छत्र भी चोरी हो गया। शिव मंदिर की दान पेटी तोड़कर उसमें रखी दानराशि भी ले जाई गई। चोरी हुए आभूषणों का वजन और कीमत बिल देखने के बाद ही बताई जा सकेगी। मो.बड़ोदिया थाना प्रभारी भीमसिंह पटेल ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया जाएगा।

पटरी से उतरी मालगाड़ी दो हिस्सों में बंटी, तीन ट्रेनों का बदलना पड़ा समय, टला बड़ा हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। प्रारंभिक जांच में यह हादसा पटरी टूटने के कारण बताया जा रहा है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस हादसे के कारण तीन ट्रेनों का समय बदलना पड़ा।

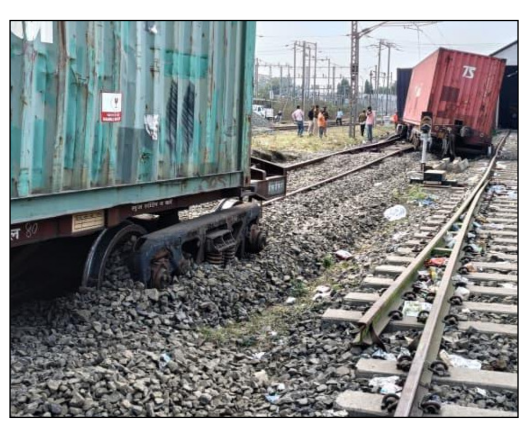

जानकारी के अनुसार दुर्घटना का मुख्य कारण रेल पटरी का टूटना बताया जा रहा है। पटरी टूटने के कारण मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और उसके कई डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। जैसे ही इस घटना की सूचना रेलवे के अधिकारियों को मिली वे तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जिन्होने मरम्मत कार्य शुरू करवाया। इधर मौके पर मौजूद अधिकारी घटना को लेकर स्पष्ट एवं आधिकारिक जानकारी देने से बचते रहे। घटना को लेकर स्टेशन प्रबंधन मुकेश जैन ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या दुर्घटना का कारण ट्रैक में खराबी हो सकता है। मामले की विस्तृत जांच के लिए उज्जैन से रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंच रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

इन ट्रेनों के समय में किया परिवर्तन- मक्सी स्टेशन के पास मालगाड़ी के पटरी से उतरने की घटना के बाद कुछ ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है। स्टेशन प्रबंधक मुकेश जैन ने बताया कि हादसे के कारण रेल यातायात आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है। इसके चलते मालवा एक्सप्रेस (12920) अपने निर्धारित समय से करीब 10 मिनट देरी से रवाना होगी। वहीं नागदा-बीना पैसेंजर (19341) लगभग 1 घंटे की देरी से चलेगी, जबकि भगत की कोठी-काचीगुड़ा एक्सप्रेस (17606) करीब 15 मिनट लेट रहेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य लें।

समय रहते बदला ट्रेक, नहीं तो हो जाता बड़ा हादसा- मक्सी रेलवे स्टेशन के पास जिस ट्रैक पर मालगाड़ी पटरी से उतरकर हादसे का शिकार हुई थी, उसी ट्रैक से प्रतिदिन दोपहर 2.43 बजे पेंचवेल एक्सप्रेस गुजरने वाली थी। रेलवे अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित निर्णय से संभावित दुर्घटना टल गई। फिलहाल ट्रैक की मरम्मत और सुरक्षा जांच के बाद ही यातायात बहाल किया गया।

टायर फटने से नाले में गिरी कार, सभी यात्री सुरक्षित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल हाईवे-52 पर भैरू डूंगरी के पास शनिवार अलसुबह एक कार का टायर फट गया। जिससे कार का संतुलन बिगड़ा और वह नाले में उतर गई। हालांकि वाहन की गति नियंत्रित होने से बड़ा हादसा टल गया। यह घटना सुबह करीब 7 बजे हुई। कार ग्वालियर से इंदौर की ओर जा रही थी और इसमें छह लोग सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई और सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं। कार का टायर अचानक फटने से चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके परिणामस्वरूप कार नाले में जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही लालघाटी थाना क्षेत्र की डायल-112 टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। कार में सवार यात्रियों की पहचान अतुल कुशवाह (36), जुड़ावन कुशवाह (62), कृपान कुशवाह (60), अंकिता सिंह (29), अंशुमान सिंह (23) और श्रीनिका सिंह (3) के रूप में हुई है। सभी यात्रियों की प्राथमिक जांच की गई, जिसमें उन्हें सुरक्षित पाया गया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाया, ताकि अन्य वाहनों के आवागमन में कोई बाधा न आए।

बसंत पंचमी पर ब्राह्मण समाज के जोड़े का सामूहिक विवाह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण नगर सभा द्वारा अ. भा. ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में बसंत पंचमी के अवसर पर सामूहिक विवाह एवं बटुक सम्मेलन के अंतर्गत गौतम आश्रम में ब्राह्मण जोड़े का विवाह एवं बटुकों का उपनयन संस्कार सनातन वैदिक पद्धति से किया गया। इस अवसर पर बटुकों एवं वैवाहिक जोड़े का प्रोसेशन बैंड बाजे के साथ नगर में निकला गया जिसमें ब्राह्मण समाज के सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता एवं रिश्तेदार शामिल हुए । कार्यक्रम में बतौर अतिथि विधायक गायत्री राजे पवार , महापौर गीता अग्रवाल , पूर्व महापौर सुभाष शर्मा,प्रेस क्लब अध्यक्ष ललित शर्मा ,शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, ब्लाक अध्यक्ष प्रतीक शास्त्री , मंडल अध्यक्ष मधु शर्मा समाज सेवी मनोरमा सोलंकी उपस्थित थे। अतिथियों ने विवाह सूत्र में बंधे जोड़े एवं बटुकों का सम्मान किया । अतिथियों का सम्मान सम्मेलन के संवरक्ष एम एम मोदी, संयोजक नवीन दुबे, अ. भा. ब्राह्मण महासंघ अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, नगर सभा अध्यक्ष संतोष मोदी, ट्रस्ट अध्यक्ष एम एम दुबे, संस्कृतिक अध्यक्ष रवि व्यास ,सचिव अमित पंडित अ.भा ब्राह्मण महिला महासंघ अध्यक्ष यशोदा शर्मा, नगर सभा महिला अध्यक्ष अनुपमा पाठक ने किया । उस अवसर पर प्रयास गोतम एवं प्रतीक शास्त्री को ब्राह्मण गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। आयोजन में विशेष रूप से ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ ओ पी दुबे , महेंद्र स्थापक, संजय शुक्ला, सतीश दुबे,विमल शर्मा,सिद्धार्थ अवस्थी अभय पांडे, आर पी मिश्रा ओपी चौधरी ,आदित्य दुबे,अशोक चौधरी ,दिलीप शर्मा श्रेया चौबे ,आशा शर्मा ,विनीता व्यास रिंकी व्यास,पप्पू जोशी,आकाश अवस्थी,दीपेश कानूनगो, डॉ आर के शर्मा,गिरधर शर्मा, संतोष त्रिवेदी ,संजय शर्मा, महेंद्र व्यास, दीपक जोशी ,मधुसूदन शर्मा, मंगेश शर्मा,देवकीनंदन समाधियां, ममता शर्मा, शंकर लाल शर्मा आदी।

मतदाता सूची गड़बड़ी की शिकायत को लेकर कांग्रेस में ज्ञापन दिया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मतदाता सूची में भाजपा द्वारा की जा रही गंभीर और नियमितताओं एवं फर्जी तरीके से नाम काटने पर रोक लगाने तथा इस प्रक्रिया को निष्पक्ष पारदर्शी व ईमानदारी पूर्वक संपन्न कराने हेतु निर्वाचन आयोग को निर्देश दिए जाने के लिए महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम प्रियंका नेम रोड को दिया गया।

इस दौरान कुछ देर विधायक भंवर सिंह शेखावत के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे बाद में ज्ञापन सोपा गया एक अन्य ज्ञापन कलेक्टर के नाम भी एसडीएम को दिया जिसमें बताया कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण फिर के दौरान भाजपा से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के प्रभाव में आकर कई स्थानों पर गंभीर और निर्मित करें की जा रही है और बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम फर्जी आपत्ति गलत सत्यापन एवं बिना पूर्व सूचना के मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं जिससे आम नागरिक अपने संवैधानिक मताधिकार से वंचित हो रहा है या अत्यंत चिंताजनक विषय है कई मामलों में ना तो संबंधित मतदाता को सूचना दी गई है और ना ही उसे अपना पक्ष रखने का अवसर दिया है इस तरह के कार्यवाही लोकतंत्र की मूल भावना निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया एवं संविधान प्रदत्त अधिकारों के प्रतिकूल है ज्ञापन में मांग की गई थी भारत निर्वाचन आयोग को इस बारे में निर्देशित किया जाए कि फिर की प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष पारदर्शी व नियमों के अनुरूप संपन्न कराई जाए फर्जी तरीके से मतदाताओं के नाम काटने पर तत्काल रोक लगाई जाए बिना समुचित सत्यापन लिखित सूचना व मतदाता को सुनवाई का अवसर दिए बिना किसी भी नाम की कटौती नहीं की जाए फर्जी नाम कटौती में संयुक्त अधिकारियों कर्मचारियों व अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरिनारायण सिंह पंवार,कमल सिंह पटेल, जिला संगठन महासचिव परितोष सिंह राठौड़, कानवन ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र गोयल विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, संदीप महेश्वरी, निर्मल वर्मा, नितिन सांखला, विनोद शर्मा, अंशु बोकाडिया, पंकज लोधा,देवपाल सिंह जाधव, कंवर लाल पाटीदार, धनश्याम जाट, संजय भुरिया, बने सिंह नवासा,जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष सोनू जाट जिला युवक कांग्रेस महासचिव यशवर्धन सिंह पंवार किसान कांग्रेस दिनेश रघुवंशी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम सिंह साजीद खान, मुख्तियार अली, डोडिया,बबलु भाभर, सुरेश पटेल, अतुल बाफना, सुरेश द्विवेदी, बद्री लाल पाटीदार, विपिन गिरी गोस्वामी, अनूप जैन, उमेश पाटीदार, अक्षत चोपड़ा, महेश मुकाती, देवेंद्र सिंह पवार, प्रकाश मकवाना, छोटू बना मुगेला, कृष्णा कठोडिय, संदीप चंद्रावत,सुरज गिरवाल, परमानंद गुर्जर, अर्जुन नांदेड़, चेतन सिंह राठौड़, राजेंद्र लालवानी, धनपाल सिंह, संदीप चौधरी,राहुल सिंह रेशमगारा, राम सीरवी, राधेश्याम मंडलोई, सदाशिव बोरिया, सुरेश प्रजापत, तूफान सिंह कुशवाहा, चंद्रभान सिंह, कुशाल सिंह, विक्रम सिंह, प्रेम सिंह धनिया खेड़ी, दिलीप सिंह पटेल, अनिल ठाकुर, अजय कुशवाहा, राकेश रिटोडी, सुरेश धमना सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन का वचन पूर्वा नपं अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी व कलेक्टर के नाम ज्ञापन का वचन बदनावर ब्लॉक अध्यक्ष निरंजन सिंह पवार द्वारा किया गया। अंत में आभार नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती द्वारा व्यक्त किया।

एक शाम देश के नाम कार्यक्रम आज

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा महिदपुर रोड़ स्थित ज्योति रिसोर्ट में 25 जनवरी की शाम को देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम एक शाम देश के नाम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक चन्द्रप्रकाश कांठेड, राकेश ओरा (नुतन स्कुल) एवं नीरज जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा देश भक्ति पर आधारित भव्य आयोजन रखा गया है । इस आयोजन के दौरान शहीद परिवारों एवं सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा । बच्चों, महिलाओं एवं बड़ों के द्वारा देशभक्ति से परिपूर्ण नृत्य, गीत, कविता आदि की प्रस्तुतियां दी जाएगी । ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम एवं सचिव प्रशांत नाहर के अनुसार जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा सामाजिक एवं धार्मिक भावना के साथ साथ देश के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह करते हुए आज यह आयोजन किया जा रहा है ।

आयोजन को सफल बनाने की अपिल - राजेन्द्र कांठेड़ , एस एम सिसौदिया, अरविंद नाहर, सुभाष बाफना, कमल जैन, दिलीप कांठेड़, श्रेणिक बम, निलेश चौधरी, मुकेश धोका, सुरेन्द्र कांकरिया, संजय मुरडिया, शरद जैन, मनीष चपलोत, हितेष कांठेड़, अमित बम, रवि संघवी, राजा कर्नावट, मनोज वागरेचा, सिद्धार्थ कांठेड़, डॉ विपिन वागरेचा, सुरेश नाहटा, आशीष पोखरना, अंकुर जैन, ब्रजेश बोहरा, कुशल भंसाली,पंकज पावेचा, साधना जैन, मनीषा गांग, डॉ नितिशा वागरेचा आदि अनेक सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया है ।

रुद्राक्ष महोत्सव की तैयारियों को लेकर पुलिस अधीक्षक ने कुबेरेश्वर धाम का निरीक्षण किया

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 14 फरवरी से आयोजित होने वाले रुद्राक्ष महोत्सव की सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेने आज पुलिस अधीक्षक कुबेरेश्वर धाम पहुँचे जहाँ कथावाचक पं. श्री प्रदीप मिश्रा सहित मंदिर समिति और पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजन स्थल का भ्रमण किया एवं सुरक्षा / व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश- सुगम आवागमन- मंदिर के भीतर स्थायी कॉरिडोर (पाथवे) विकसित किया जाए।

सुरक्षा- भोजनशाला के पास स्थित नाले को जाली से ढका जाए और पूरे परिसर में CCTV व संकेतक लगाए जाएं।

जनसुविधा- पार्किंग स्थलों की संख्या बढ़ाने, पेयजल, चिकित्सा दल और फायर ब्रिगेड की तैनाती के निर्देश दिए।

सहायता केंद्र- श्रद्धालुओं की मदद हेतु कंट्रोल रूम और सहायता केंद्र स्थापित होंगे।

निरीक्षण के दौरान कथावाचक पं. श्री प्रदीप मिश्रा, एएसपी श्रीमती सुनीता रावत एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी पर पुनर्मिलन का संगमः डॉ. मंगलेश जायसवाल के कहानी संग्रह का भव्य विमोचन

भोपाल / दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्या की देवी माँ सरस्वती की आराधना के पावन पर्व बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर भोपाल स्थित कमला रेजीडेंसी में मां सरस्वती जी की पूजा के दौरान ही एक गरिमामय साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर म.प्र. पाठ्यचर्या समिति के स्थाई सदस्य डॉ. भगीरथ कुमरावत जी एवं डॉ. विनय सिंह चौहान जी के कर-कमलों से लेखक डॉ. मंगलेश जायसवाल के नवीनतम कहानी संग्रह पुनर्मिलन का विमोचन किया गया।

मानवीय मूल्यों का जीवंत दस्तावेज- विमोचन के दौरान डॉ. मंगलेश जायसवाल ने अपनी कृति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पुनर्मिलन पूर्णतः मानवीय मूल्यों पर आधारित कहानियों का संग्रह है। उन्होंने साझा किया कि इस कृति को रचने की प्रेरणा उन्हें राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित सार्वभौमिक मानवीय मूल्य की वर्कशॉप से प्राप्त हुई। पुस्तक की प्रथम प्रति मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह जी को सादर भेंट की गई।

साहित्यकारों का जुटा समागम- कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वह ईश्वरीय संयोग रहा, जब बसंत पंचमी के पूजन के लिए एकत्रित हुए विद्वजनों के बीच अनायास ही पुस्तक विमोचन का मंगल योग बना।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से- डॉ. दशरथ मसानिया (चालीसा सम्राट), श्री बी. एम. चौबे प्रदेश के कई प्रतिष्ठित लेखक एवं साहित्यकार उपस्थित रहे।

लेखकीय यात्रा की तीसरी सफलता- डॉ. मंगलेश जायसवाल की यह तीसरी साहित्यिक कृति है। इससे पूर्व उनके कहानी संग्रह मीठा नीम (जनवरी 2025) और काव्य संग्रह भाव मंजरी (अक्टूबर 2021) को पाठकों की भरपूर सराहना मिल चुकी है। पुनर्मिलन कहानी संग्रह भी समदर्शी प्रकाशन गाज़ियाबाद से मुद्रित है। विद्वान योगेश समदर्शी जी के मार्गदर्शन में डॉ मंगलेश की यह तीसरी पुस्तक का प्रकाशन हुआ है गौरतलब हैं कि डॉ. जायसवाल मूलतः शाजापुर जिले के छोटे से नगर कालापीपल के निवासी है वे डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रतिलिपि के चर्चित धारावाहिक मेड इन लव और संस्कारों की विरासत के लिए सुपर लेखक अवॉर्ड से भी नवाजे जा चुके हैं।

इस अवसर पर उपस्थित विद्वानों ने पुनर्मिलन को वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों के पुनरुत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण कृति बताया।

श्रीमती नाहर, जैन एव खेमसरा के मार्गदर्शन मे हुए चुनाव- पावेचा अध्यक्ष एव ओरा सचिव हुए मनोनित

नागदा/ अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री स्थाकवासी जैन श्रीसंघ नागदा जंक्शन के ब्राह्मी बहुमंडल के चुनाव उज्जैन बड़नगर रोड स्थित जैन तीर्थ अभ्युदयपुरम में संपन्न हुए । चुनाव में संरक्षक अध्यक्ष श्रीमती मधुलिका नाहर एवं श्रीमती साधना ओरा एवं पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुषमा खेमसरा के मार्गदर्शन मे हुए।

यह हुए मनोनित - अध्यक्ष श्रीमति इंदु अनिल पावेचा उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज सतीश लुणावत सचिव श्रीमती प्रतिभा नरेश ओरा कोषाध्यक्ष तरुणा पंकज मारु पर्यटन मंत्री श्रीमती दीपिका दिनेश ओरा मीडिया प्रभारी सोनाली नितिन बुडावन वाला को बनाया गया एवं कार्यकारिणी में अर्चना पावेचा, अंगुरबाला चपलोत,स्नेहा मुरडिया, संगीता बम,शकुंतला चपलोद एवं बेलाशाह को सदस्य नियुक्त किया गया. सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों एवं सदस्यों को स्थानकवासी जैन श्रीसंघ की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाए दी गई।

बाबासाहब डॉ. अम्बेडकर जी की प्रतिमा तोड़े जाने की घटना निंदनीय-संजीव बोद्ध

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष संजीव बोद्ध ने बयान जारी कर बताया कि भारत रत्न बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा को तोड़ा जाना अत्यंत निंदनीय, शर्मनाक एवं असामाजिक कृत्य है। बाबासाहब केवल एक महान व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि भारतीय संविधान, समानता, सामाजिक न्याय और मानव गरिमा के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा को क्षति पहुँचाना देश के संवैधानिक मूल्यों पर सीधा आघात है। यह घटना समाज में नफरत फैलाने और आपसी सौहार्द को बिगाड़ने का सुनियोजित प्रयास प्रतीत होती है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हम जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से मांग करते हैं कि दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु प्रभावी एवं सख़्त कदम उठाए जाएँ। साथ ही, टूटी हुई प्रतिमा को तत्काल पुनः स्थापित किया जाए तथा क्षेत्र में शांति, सद्भाव और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएँ। हम सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और संविधान तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु एकजुट रहने की अपील करते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणतंत्र दिवस पर पुलिस ग्राउंड में आयोजित किये जाने वाले जिले के मुख्य समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में है। इस बीच आज शनिवार की सुबह समारोह में प्रस्तुत की जाने वाली परेड की अंतिम और फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न हुई। अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गौड ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाते हुये मुख्य समारोह की तरह अंतिम रिहर्सल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये जाने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अंतिम रिहर्सल भी की गई।

रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस चंद्रशेखर आज़ाद शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय सीहोर में प्राचार्य डॉ. रोहिताश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 24 जनवरी 2026 को अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह प्रशिक्षण योजना क्रमांक 7851 के अंतर्गत दो बैचों में संचालित किया गया जिसमें एमएस ऑफिस एवं गूगल टूल्स विषय पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं रोजगार उपयोगी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. हुमा अख्तर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री जितेन्द्र शर्मा (ट्रेनर) द्वारा विद्यार्थियों को एमएस ऑफिस एवं गूगल टूल्स का गहन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल दक्षताओं से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भरता एवं रोजगार के बेहतर अवसरों हेतु तैयार करना रहा। प्रतिस्पर्धा से सीखने की जिज्ञासा बढ़ती है—इस विचार को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवाचार के रूप में विद्यार्थियों से विषय आधारित पोस्टर तैयार करवाए गए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान कौशल एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया जिससे प्रशिक्षण में सहभागिता के साथ-साथ सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का वातावरण भी निर्मित हुआ। पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित समारोह में समस्त प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए साथ ही विद्यार्थियों ने अपने फीडबैक में बताया कि यह प्रशिक्षण अत्यंत उपयोगी व्यवहारिक एवं रोजगारोन्मुखी रहा। एमएस ऑफिस एवं गूगल टूल्स की जानकारी से उनकी तकनीकी दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिससे कार्यालयीन कार्य प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भविष्य में रोजगार प्राप्त करने में उन्हें सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों ने ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा भी व्यक्त की।समापन समारोह में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. गणेश जैन की एवं मुख्य अतिर्था के रूप में श्री राजेश पाठक (जर्नलिस्ट) की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री पाठक जी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास एवं नवाचार आधारित कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के कौशल विकास नवाचार एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

गौ सेवक मार्तंड राव कदम दिल्ली में होंगे सम्मानित

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट गौ सेवक मार्तण्ड राव कदम पिता श्री सदाशिवराव कदम का चयन भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन आईजीएम अंतर्गत किया गया कृत्रिम गर्भाधान व टीकाकरण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड कार्यक्रम में इन्हें सम्मानित किया जाएगा आलोट नगर के लिए या गौरव की बात है आलोट नगर के युवा मार्तण्ड राव कदम भारत सरकार द्वारा दिल्ली में सम्मानित होने जा रहे हैं जिसको लेकर आलोट के युवाओं में एवं इषट मित्रों में खुशी का माहौल है वहीं मार्तण्ड राव कदम को बधाइयां मिल रही है।

श्रीमद्भागवत कथा के रस में डूबेगा नगर आज से प्रारम्भ हुई सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा

श्रीमद्भागवत कथा के साथ इक्कीस कन्याओं का नि:शुल्क विवाह समारोह होगा संपन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सार्वजनिक श्रीमद्भागवत कथा समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कथा का आयोजन किया जा रहा है कथा समिति के अनुसार सुप्रसिद्ध अन्तराष्ट्रीय कथावाचक वृन्दावनवासी परम पूज्य श्रीगोरांगी गौरी जी महाराज के मुखारबिंद से स्थानीय नया बसस्टेंड मैदान में लगभग पचपन हजार स्केयर फिट जगह में बने भव्य पांडाल के अन्दर 7 दिवसीय भव्य श्रीमदभागवत कथा तथा निःशुल्क इक्कीस कन्याओं का विवाह संपन्न होगा द्ध समिति ने पिछले वर्ष श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कर इक्कीस कन्याओं का निःशुल्क विवाह संपन्न करवाया था इसी लक्ष्य की और आगे बढ़ते हुवे इस वर्ष इक्कीस कन्याओं का विवाह करवाने जा रहे है द्ध कथा का एवं क्षेत्र के निर्धन परिवार की कन्याओं का निशुल्क विवाह समारोह आयोजन समिति लगातार कई वर्षो से करा रही है, कथा के रसपान हेतु नगर एवं क्षेत्र की हजारो धर्मप्रेमी जनता को इन्तजार रहता है, इस समय सम्पूर्ण नगर प्रभु श्री कृष्ण की भक्ति में डूबने के लिए लिए आत्तुर रहेगा

शनिवार को दीदी ने बताया की जैसे-जैसे सीढ़ियाँ ऊपर बढ़ती जाती हैं, वैसे-वैसे जीवन में कठिनाइयाँ और समस्याएँ भी बढ़ती जाती हैं। लेकिन उन कठिनाइयों के बीच संघर्ष करते हुए भी यदि हम ठाकुरजी के चरणों को नहीं छोड़ते, तो समझ लेना चाहिए कि हम उस कक्षा में मज़बूती से पास हो गए।

हमारा उत्साह निरंतर बढ़ता रहता है और विषम परिस्थितियों में भी यह दर्शाता है कि हम आंतरिक रूप से सुदृढ़ हैं। परीक्षा वही देता है, जो परीक्षा में बैठता है। जो परीक्षा में बैठा ही नहीं, जो कक्षा में आया ही नहीं, उसकी परीक्षा कैसी? जब जीवन में कठिनाइयाँ और परेशानियाँ आती हैं, तो समझ लेना चाहिए कि ठाकुरजी हमारी परीक्षा ले रहे हैं। हम सभी ठाकुरजी की परीक्षा में बैठे हुए हैं। आज पहले दिन की कक्षा में इतने लोग आए—इसका अर्थ है कि ठाकुरजी की परीक्षा चल रही है। जो लोग आए, वे इस परीक्षा में पास हो गए, और जो घर पर बैठे रहे, वे चौथे दिन जाकर समझेंगे कि वे फेल हो गए।

कथा में आयोजित किये जायेंगे प्रमुख प्रसंग - श्रीमद्भागवत कथा समिति के प्रवक्ता वैभव जैन द्वारा बताया गया की कथा प्रारम्भ दिवस 24 जनवरी शनिवार के दिन प्रातः 10 बजे श्रीराम मंदिर क़स्बा चोक से कलश यात्रा प्रारम्भ होकर कथा स्थल पहुचेगी प्रतिदिन कथा का समय अपराहंत 12 बजे से सांयकाल 4 बजे तक रहेगा कथा के प्रथम दिवास 24 जनवरी शनिवार को श्रीमद भागवत महात्मय, कथा आरम्भ, श्री शुभ परीक्षित चरित्र का वर्णन, द्वितीय दिवस 25 जनवरी रविवार को वराह अवतार, कनु कर्दम चरित्र, कपिलोदेश, सटी चरित्र, ध्रुव चरित्र का वर्णन रहेगा तृतीय दिवस 26 जनवरी सोमवार को भरत चरित्र, आजमिल का चरित्र, नरसिंह अवतार का चित्रण रहेगा, चतुर्थ दिवस 27 जनवरी मंगलवार को गजेन्द्र मोक्ष्य, श्री वामन अवतार, रामकथा, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव आकर्षण का केंद्र रहेगा, पंचम दिवस 28 जनवरी बुधवार को नन्द महोत्सव, कृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा का वर्णन रहेगा, कथा के षष्टम दिवस 29 जनवरी गुरुवार को रासलीला, कंस वध, श्रीकृष्ण रुख्मणि विवाह के प्रसंग के साथ कथा पांडाल में 21 निर्धन कन्याओं का विवाह समारोह भी संपन्न होगा द्य कथा विश्राम दिवस 30 जनवरी शुक्रवार को द्वारिका लीला, सुदामा पूजन, भागवत धर्म के साथ ही भागवत जी का नगर भ्रमण विशाल शोभा यात्रा के साथ नगर भोज (भण्डारा) का आयोजन किया जाएगा द्ध

इक्कीस निःशुल्क कन्याओं का रहेगा विवाह समारोह - श्रीमद्भागवत कथा के साथ ही निःशुल्क 21 कन्याओं के विवाह समारोह में 28 जनवरी बुधवार को प्रातः 8 बजे स्थानीय कार्तिक चौक से श्री गणेश पूजन एवं माताजी पूजन, शाम को कथा पांडाल में मंडप, सांय 7 बजे हल्दी एवं मेहंदी तथा रात्री 8 बजे महिला संगीत का आयोजन होगा साथ ही 29 जनवरी गुरुवार को बारात आगमन के साथ मंगल फेरे तथा कन्याओं का विवाह कथा पांडाल में संपन्न होगा द्ध विवाह में इक्कीस कन्याये सो. का. पायल सुपुत्री ~ जगदीशजी प्रजापत, उन्हेल का विवाह चि. अनिल सुपुत्र ~ गोपालजी प्रजापत, चिवड़ी के साथ, सो. का. राधा सुपुत्री ~ मोहनलालजी प्रजापत, उन्हेल का विवाह चि. हरिओम सुपुत्र ~ श्यामलालजी प्रजापत, बेड़ावन के साथ, सो. का. पवन सुपुत्री ~ जगन्नाथजी, उन्हेल का विवाह चि. दशरथ सुपुत्र ~ रामलालजी, बड़गांव के साथ, सो. का. निकिता सुपुत्री ~ रामेश्वरजी भाट, उन्हेल का विवाह चि. संदीपकुमार सुपुत्र ~ महेशकुमारजी राव, सतखंड के साथ

सो. का. निशा सुपुत्री ~ दुर्गालालजी राठौर, उन्हेल का विवाह चि. निखिल सुपुत्र ~ आत्मारामजी गुर्जवार, उज्जैन के साथ सो. का. काजल सुपुत्री ~ चंदरजी, उन्हेल का विवाह चि. हरीश सुपुत्र ~ बालारामजी, झारड़ा के साथ सो. का. कोमल सुपुत्री ~ बाबूलालजी, पासलोद का विवाह चि. अर्जुन सुपुत्र ~ बाबूजी, सोलाखेड़ा के साथ, सो. का. कुमकुम सुपुत्री ~ रामप्रसादजी राठोड़, सरवना का विवाह चि. सुभाष सुपुत्र ~ संतोषजी राठोड़, ढाबला हर्दु के साथ, सो. का. करुणा सुपुत्री ~ सुमनदासजी बैरागी, चिरोला का विवाह

चि. करणदास सुपुत्र ~ ओमप्रकाशजी बैरागी, मुण्डला के साथ, सो. का. उमा सुपुत्री ~ चैनसिंहजी, दिदियाखेड़ी का विवाह चि. संदीप सुपुत्र ~ सीतारामजी मकवाना, मालगावड़ी के साथ सो. का. आरती सुपुत्री ~ रामलालजी परमार, उन्हेल का विवाह चि. विशाल सुपुत्र ~ चिंतामणजी सेन, गोंदिया लेकोड़ा के साथ, सो. का. पूजा सुपुत्री ~ भागीरथजी, उन्हेल का विवाह चि. दीपक सुपुत्र ~ भगवानजी वर्मा, खेड़ावदा के साथ, सो. का. निलीमा सुपुत्री ~ नागरामजी, पांसलोद का विवाह चि. पंकज सुपुत्र ~ दिलीपजी सुनेरी, उन्हेल के साथ, सो. का. सपना सुपुत्री ~ बहादुरजी डांगी, खोकरि का विवाह चि. गोकुल सुपुत्र ~ रामसिंहजी, अम्बोदिया के साथ, सो. का. खुशबू सुपुत्री ~ गोकुल परिहार, उन्हेल का विवाह चि. राहुल सुपुत्र ~ रमेशलालजी, गुराछ के साथ, सो. का. तनिषा सुपुत्री ~ रामप्रसादजी, पांसलोद का विवाह चि. अभिषेक सुपुत्र ~ लक्ष्मणजी चौहान, भीलावदा के साथ, सो. का. सरिता सुपुत्री ~ कालूरामजी, पगारा का विवाह चि. अनिल सुपुत्र ~ नागूलालजी, धरतावदा के साथ, सो. का. रिया सुपुत्री ~ स्व. भरतसिंहजी चौहान, रतलाम का विवाह चि. रोशन सुपुत्र ~ सुरेशजी मालवीय, दाउदखेड़ी के साथ, सो. का. वर्षा सुपुत्री ~ निर्भर सिंहजी, खलाना का विवाह चि. प्रदीप सुपुत्र ~ सुरेशजी परमार, बांदका जैथल,के साथ सो. का. रितु सुपुत्री ~ तोलारामजी, ईटावा का विवाह चि. मनीष सुपुत्र ~ तोलारामजी, नवादा के साथ, सो. का. निताक्षी सुपुत्री ~ नन्दलालजी सोलंकी, पांसलोद का विवाह चि. शुभम सुपुत्र ~ गोपालजी शरोतिया, उपरवाड़ा के साथ संपन्न होगा।

यह रहेंगे कथा के लाभार्थी- कथा में मुख्य यजमान श्री अजयकुमार जी जगदीश जी विश्वकर्मा आकासोदा वाले परिवार, सह यजमान श्री गोपाल पन्नालाल जी खमोरिया परिवार, श्री मदनलाल जी लक्ष्मण जी, मुकेश राकेश जी प्रजापत परिवार, श्री मनीषकुमार बाबूलाल जी जैन परिवार, सभी निवासी उन्हेल है, साथ ही कथा में सहर्ष जजमान श्री प्रभु दयाल जी अग्रवाल परिवार इंदौर, पाटीदार परिवार श्री सांवरिया माइंस, महू इंदौर, श्री अश्विन कुमार सतीश कुमार मारू, श्री सचिन प्रकाशचंद जी पाटनी परिवार उन्हेल है द्ध रुक्मणी विवाह के लाभार्थी श्री रामसिंह जी सिद्धू जी सोलंकी परिवार, उन्हेल है द्य कथा में श्रीकृष्णजी की बारात का लाभ श्री रामचंद्र जी गणपत जी सुनेरीपरिवार उन्हेल ने लिया है द्य

सात दिवसीय कथा में नगर की धर्मप्रेमी जनता को सम्पूर्ण आयोजन में पधारने का आग्रह सार्वजनिक सार्वजनिक श्रीमद्भागवत कथा समिति के सरक्षक क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ सतीश मालवीय शांतिलाल मदारिया, गोपाल खमोरिया, संयोजक सचिन पाटनी, विवाह प्रभारी अश्विन मारू, अंकित जैन, मिडिया प्रभारी वैभव जैन,, रमेश बम्बोरिया, रामलाल नंदेडा, राधेश्याम नंदेडा, रामलाल जी ढोढरिया, संगीता गायकवाड़, अनीता ठाकुर गोवर्धनलाल नायमा, धन्नालाल भई बंद, राणा जी, हरिओम ढोढरिया, ईश्वर मेहता, जय प्रकाश मोदी, सत्यनारायण मेहता, बंटू पोरवाल, ईश्वर नंदेडा, सत्यनारायण मेहता द्वड्ढ, नवीन जैन बंटी, धरमचंद पालीवाल, सतीश मारू, आत्माराम पटेल, पंकज गुप्ता, अश्विन जैन नोनू, सुरेश सांकला, विकास जायसवाल, गोपाल टंडन, ललित कुमार भांतु, रतनलाल आठमिया, दिनेश भानेज, दीपक नंदेडा, संदीप मेहता, गोवर्धनलाल जी पटेल राजेश नंदेडा, रामसिंह राठौर, शेलेन्द्र सिंह देवड़ा, भंवरसिंह चौहान, राहुल जायसवाल, रमेश जायसवाल, डॉ ओम बैरागी, महेश पंवार, माँ भवानी महिला मंडल, भोलेनाथ महिला मंडल, श्रीराम मंदिर महिला मंडल, माँ कालिका माता महिला मंडल, शीतलामाता महिला मंडल, पंच मुखी हनुमान महिला मंडल, मनकामनेश्वर महिला मंडल, राधाकृष्ण मालवीय मंदिर महिला मंडल, राधे राधे महिला मंडल, भेरुमहराज महिला मंडल, साईनाथ महिला मंडल ने किया है द्ध श्रीमदभागवत कथा का सीधा प्रसारण आप यु- ट्यूब पर सेंट्रलवाइस भक्ति चेनल पर देख सकते है।

मंत्री सुश्री भूरिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम राष्ट्रीय बालिका दिवस

राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026- बेटियों के सशक्तिकरण एवं उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी 2026 के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात कन्या पूजन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि यह दिवस केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है। उन्होंने कहा कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में सहभागी बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जीवन में प्रगति सतत प्रक्रिया है और बाधाओं से सीखकर आगे बढ़ने से व्यक्तित्व मजबूत होता है। परिवार और समाज का वातावरण बालिकाओं के जीवन को गहराई से प्रभावित करता है, इसलिए उनके लिए सकारात्मक और सुरक्षित वातावरण आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आज भी समाज में रूढ़िवादी सोच मौजूद है, जिसे बदलने की आवश्यकता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार बेटियों को शिक्षा, सम्मान और समान अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने जनजातीय समाज में बेटियों को मिलने वाले सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी सोच विकसित करने की जरूरत है। मंत्री ने बताया कि लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना एवं मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं और महिलाओं को निरंतर सहायता दी जा रही है। शिक्षा, खेलकूद और रोजगार के क्षेत्र में बेटियाँ उल्लेखनीय प्रगति कर रही हैं। उन्होंने आत्मविश्वास, तकनीक के सदुपयोग तथा साइबर सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आग्रह किया कि प्रत्येक बेटी को सम्मान, सुरक्षा और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।

राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि जब बेटियाँ सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ती हैं, तो कई बार घबराहट और आत्मसंशय का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में घबराने के बजाय निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कड़ी मेहनत और लगन से ही सफलता प्राप्त होती है। कलेक्टर ने कहा कि प्रेरणा हमें किसी से भी मिल सकती है। दिव्यांगजन और सशक्त महिलाएँ समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। बालिकाओं को शासन की योजनाओं की जानकारी लेकर उनका लाभ अवश्य लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि बालिकाओं के संपूर्ण जीवनचक्र को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के सकारात्मक उदाहरण आज सामने आ रहे हैं और बालिकाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना आवश्यक है। इस अवसर पर कलेक्टर ने 9 वर्षीय बालिका द्वारा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करने पर गौरव व्यक्त किया। कलेक्टर ने आत्मरक्षा को प्रत्येक बालिका के लिए आवश्यक बताते हुए सजग एवं सतर्क रहने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि बालिकाओं को बोलने की कला विकसित करनी चाहिए, दर्पण के सामने अभ्यास कर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने की आदत डालनी चाहिए। अंत में उन्होंने सभी बालिकाओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

आत्मरक्षा का प्रभावशाली प्रदर्शन- 9 वर्षीय बालिका कु. प्रियांशी गुंडिया या द्वारा आत्मरक्षा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा।

बालिकाओं ने किये अपने विचार प्रस्तुत- कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना की हितग्राही कनिष्का ठाकुर ने योजना के उद्देश्य एवं इससे प्राप्त लाभों की जानकारी साझा की। वहीं नौगावा मेघनगर की राधिका परमार ने दहेज प्रथा के दुष्प्रभावों एवं बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किए जाने के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। विकसित भारत की अवधारणा के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय कल्याणपुरा की छात्रा गौरी बिलावल ने सोलर पैनल एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर आधारित मॉडल के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं का सम्मान- राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं एवं टीमों को सम्मानित किया गया। इसमें यूनिवर्सिटी स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में कु. संगीता कटारा को रजत पदक, एशियन मुथाई चैंपियनशिप 2025 में कु. मनीषा वसुनिया को रजत पदक (कबड्डी), 69वीं राज्य स्तरीय हैण्डबाल प्रतियोगिता शुजालपुर में कु. गंगा बिलवाल एवं कु. पायल देवड़ा को कांस्य पदक (हैण्डबाल), 69वीं राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता शुजालपुर में कु. डिम्पी सतांगिया को स्वर्ण पदक (तीरंदाजी), अंतर महाविद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कु. सोनिया डामोर एवं कु. अर्चना तोमर को कांस्य पदक (वेटलिफ्टिंग), राज्य स्तरीय स्ट्रेंथलिफ्टिंग प्रतियोगिता में कु. छाया मावी एवं कु. नानुडी चारेल को स्वर्ण पदक (स्ट्रेंथलिफ्टिंग) तथा संभागीय प्रतियोगिता में कु. प्रियांशी गुंडिया को स्वर्ण पदक (बॉक्सिंग) प्राप्त करने पर ?2000 की पारितोषिक राशि, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेघनगर की फुटबॉल टीम एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया।

बाल विवाह जागरूकता नुक्कड़ नाटक एवं लोकनृत्य- नुक्कड़ नाटक दल द्वारा बाल विवाह रोकथाम की जागरूकता के लिए नुक्कड़ का प्रदर्शन किया गया साथ ही लोकनृत्य की प्रस्तुति की गई।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर सुश्री वैशाली सोलंकी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर एस बघेल, महिला एवं बाल विकास विभाग का पुरा अमला एवं बालिकाएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पदयात्रा का आयोजन

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेरा युवा भारत (माय भारत) विदिशा, मध्य प्रदेश, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पदयात्रा- 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम की थीम माय भारत माय वोट निर्धारित की गई है।

पदयात्रा का शुभारंभ प्रातः 9.30 बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज से होगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई नीमताल चैराहा, विदिशा पर संपन्न होगी। यह आयोजन देशव्यापी युवा सहभागिता पहल का हिस्सा है, जिसका विशेष फोकस प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं पर रहेगा, ताकि उन्हें सूचित, नैतिक एवं सक्रिय निर्वाचन सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा सके।

इस पहल के माध्यम से मतदाता जागरूकता को शारीरिक फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता के साथ जोड़ा गया है, जिससे राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं के नेतृत्व में एक जीवंत जन-आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर सके।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य युवाओं को मतदान के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाना, मतदाता पंजीकरण, निर्वाचन विवरणों में सुधार को प्रोत्साहित करना तथा जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों, प्रथम बार मतदाताओं एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी रहेगी। प्रमुख गतिविधियों में पदयात्रा, प्रथम बार मतदाताओं का सम्मान, मतदाता जागरूकता संवाद, शपथ ग्रहण समारोह तथा जन-संपर्क गतिविधियाँ शामिल होंगी। यह पदयात्रा सामूहिक नागरिक सहभागिता के माध्यम से मतदाता जागरूकता संदेशों के व्यापक प्रसार का सशक्त मंच बनेगी।

लोकतांत्रिक गतिविधियों में युवाओं की सहभागिता राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं को जागरूकता, उत्तरदायित्व एवं निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता की भावना से सशक्त करना लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करता है। इस पहल के माध्यम से युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता के राजदूत के रूप में उभरने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

इस अवसर पर श्रीमती आकांक्षा महावरिया, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, विदिशा ने जिले के समस्त युवाओं से राष्ट्रीय मतदाता दिवस पदयात्राद्2026 में सक्रिय सहभागिता करने एवं भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय कन्या हाई स्कूल झाबुआ में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती विधि सक्सेना के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी-2026 के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के सचिव श्री शिव कुमार डावर की अध्यक्षता एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक की उपस्थिति में नालसा (आशा-जागरूकता, समर्थन, सहायता एवं कार्रवाही) मानक संचालन प्रक्रिया बाल विवाह उन्मूलन, 2025 अंतर्गत शासकीय कन्या हाई स्कूल (बुनियादी) झाबुआ में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा, बाल विवाह, समानता तथा महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित कानूनों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री डावर ने कहा कि बालिकाऐं समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव हैं। जब तक बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर नहीं मिलेंगे, तब तक समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भी बाल विवाह, लिंग-भेद एवं असमानता जैसी सामाजिक कुरीतियाँ चिंता का विषय हैं, जिन्हें समाप्त करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री डावर ने छात्राओं को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, शिक्षा का अधिकार, समानता का अधिकार, महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानूनों तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित आशा जागरूकता समर्थन सहायता एवं कार्रवाई योजना की जानकारी दी।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक ने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ, नालसा हेल्पलाइन 15100 एवं चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098 से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया साथ श्री माणिक ने पॉस्को एक्ट, गुड टच बेड टच, इंटरनेट के माध्यम से हो रहे अपराध और उसका किस प्रकार से निदान किया जाना है इसके संबंध में भी विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम में शिक्षकगण एवं छात्राऐ उपस्थित रहीं।

26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की रिहर्सल सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 26 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के जिला स्तरीय कार्यक्रम की अंतिम रिहर्सल आज 24 जनवरी 2026 को पी.जी. कॉलेज ग्राउंड, झाबुआ में सम्पन्न हुई। रिहर्सल का उद्देश्य समारोह को गरिमामय, अनुशासित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराना रहा।

रिहर्सल के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेंद्रसिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया की उपस्थिति में कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। इसमें ध्वजारोहण प्रक्रिया, परेड द्वारा सलामी, परेड कमांडरों से परिचय, पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति, पी.टी. प्रदर्शन, उद्घोषकों की रिहर्सल तथा अतिथियों के स्वागत एवं मंच व्यवस्था की जाँच की गई।

साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली झांकियों का अवलोकन किया गया एवं उन्हें निर्धारित समय-सीमा एवं विषयानुसार प्रस्तुति देने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रिहर्सल कराई गई।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने रिहर्सल में सहभागिता की। संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के सुचारू संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारियों ने सीखा मानसिक शांति और आनंदित रहने का तरीका

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में 14 से 28 जनवरी तक आयोजित आनंद उत्सव के क्रम में 23 जनवरी को कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य आनंद संस्थान से पधारे मास्टर ट्रेनर श्री मुकेश करुवा एवं ब्रह्मकुमारी संस्था से डॉक्टर ई.वी. स्वामीनाथन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आध्यात्मिक उद्बोधन देते हुए यह बताया गया कि कार्य के साथ-साथ अपनी मानसिक शांति और स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षकों ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के आपसी संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये दोनों एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि यदि व्यक्ति नियमित रूप से अपने श्वास पर ध्यान केंद्रित करे, तो इसके चमत्कारिक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि यदि व्यक्ति अपने कार्यस्थल को ही अपना पसंदीदा स्थान बना ले, तो व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सामंजस्य स्थापित करने के लिए अलग प्रयास करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस अवसर पर झाबुआ एसडीएम श्री भास्कर गचले, उप संचालक एवं नोडल अधिकारी आनंद विभाग, ब्रह्मकुमारी संस्था से ज्योति दीदी तथा सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने विभागों के माध्यम से क्रियान्वित स्वास्थ्य योजनाओं की अद्यतन प्रगति का जायजा लिया

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त समन्वय के माध्यम से जिले में क्रियान्वित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की अद्यतन जानकारियों का गहन जायजा लिया। समीक्षा के दौरान योजनाओं की प्रगति, लाभार्थियों तक पहुंच, क्रियान्वयन की स्थिति एवं निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति की विस्तार से जानकारी प्राप्त की गई।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण पुनर्वास, एनीमिया नियंत्रण, संस्थागत प्रसव, बाल पोषण एवं महिलाओं से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर तक पहुंचना चाहिए, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने डेटा अद्यतन, फील्ड स्तर पर सतत निगरानी, नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा कम प्रगति वाले क्षेत्रों पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली पर भी ध्यान देने को कहा।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास से जुड़ी योजनाएं मानव संसाधन विकास की आधारशिला हैं, अतः इनमें गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में अमेरिका के सुपर स्पेशलिटी चिकित्सक द्वारा दी गई सी पी.आर की ट्रेनिंग

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री महेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बड़वानी एवं अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री सोहनलाल पाटीदार के संयुक्त तात्वाधान में 24 जनवरी 2026 को एडीआर भवन के कान्फ्रेस हॉल में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में साई बाबा जीवन धारा हास्पिटल में आये अमेरिका के प्रसिद्ध चिकित्सकों को टीम द्वारा न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण, चीफ लीगल एड डिफेंस के सदस्यगणो को बताया कि अचानक किसी भी व्यक्ति को आकस्मिक परिस्थिति में सी. पीआर कैसे दे, हार्ट को पम्पिंग, की प्रक्रिया को विस्तृत में सिखाया। अमेरिका से आये चिकित्सकों की टीम द्वारा हार्ट अटेक, व हदय से जुड़े बीमारियों के लक्षण, ब्लाकेज के लक्षण आदि के लक्षणों को बताया व लक्षण दिखने पर तुरता हास्पिटल व संबंधित चिकित्सक से परामर्श व जॉचं हेतु कहा गया। शिविर में श्री जैन प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा कहा गया कि आकस्मिक परिस्थिति में समय की कमी में सीपीआर के जीवनदायनी प्रकिया है इसका प्रयोग करने से विकट समय में व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। हर व्यक्ति को इसका प्रशिक्षण लेना चाहिये। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के माध्यम से जिला न्यायालय बडवानी के न्यायाधीशगण अधिवक्तागण, एवं न्यायालय के कर्मचारीगण का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण में मुख्यत बी.पी. शुगर, ईसीजी आदि 100 व्यक्तियों की जाँच की गई। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश मो. रईश खान, श्री मानवेन्द्र पवार द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश बड़वानी प्रथम अपर जिला न्यायाधीश श्री चंदनसिंह चौहान, श्री महेन्द्र सिंह रावत व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड बड़वानी, श्री पुष्पेन्द्र भार्गव कनिष्ठ खण्ड/न्यायिक मजि. बड़वानी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री रॉबिन दयाल, सोहनलाल पाटीदार अध्यक्ष अधिवक्ता संघ बड़वानी, सचिव श्री नुरूज्जमा शेख समस्त अधिवक्तागण बड़वानी, रोटरी क्लब के सदस्यगण आदि उपस्थित थे। श्री सोहनलाल पाटीदार अध्यक्ष अधिवक्ता संघ एवं समस्त अधिवक्तागण ने स्वास्थ्य परीक्षण में अमेरिका से आये चिकित्सक की टीम एवं साई बाबा जीवन धारा हास्पिटल की टीम का आभार जताया।

पानसेमल जनपद पंचायत की 39 पंचायतों में 28 जनवरी को आयोजित किया जाएगा क्लस्टर अनुश्रवण शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में 28 जनवरी (बुधवार) को पानसेमल जनपद पंचायत के अंतर्गत मोयदा/बंधारा बुजुर्ग/जाहुर /भातकी की 39 ग्राम पंचायतों में नागरिकों की समस्याओं के प्रभावी और त्वरित निराकरण हेतु क्लस्टर अनुश्रवण शिविर (सीएफटी) का आयोजन किया किया जा रहा हैं। इस शिविर प्रथम चरण में प्रत्येक ग्राम पंचायत में सेक्टर अधिकारियों द्वारा पंचायतो में भ्रमण या पंचायत भवन में उपस्थित रहकर प्रातः 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक ग्रामीणजनों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करेंगे। इसके पश्चात द्वितीय चरण में दोपहर 4 बजे शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय भातकी में कलेक्टर की अध्यक्षता में किए गए कार्यो की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही अधिकारियों द्वारा विद्यादान अभियान के तहत स्कूलों में जाकर अध्यापन का कार्य भी किया जाएगा।इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित और सीधा लाभ दिलाना तथा उनकी स्थानीय समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना है। इन 39 पंचायतों में आयोजित किया जाएगा शिविर वांगरा, मोयदा, दोंदवाडा, नांदियाबड, ओसवाडा, शिवनीपडाया, देवधर, सकराली बुजुर्ग, मतराला, बंधारा खुर्द, बंधारा बुजुर्ग, अलखड, जुनापानी, जलगोन, आमदा, घट्ट्या, रायखेड, मनकुई, पिपरानी, कानसुल, जाहुर, आमझिरी, पन्नाली, गोंगवाडा, बालझीरी, भडगोन,मोरतलाई, निसरपुर, भातकी, टेमला, राखी खुर्द, करणपुरा, राखी बुजुर्ग, बायगोर, धावडी, मलगांव, मलफा, बेहडिया, बांदरियाबड में आयोजित किया जायेगा। शिविर में इन क्षेत्रों से संबंधित शिकायतों का किया जाएगा निराकरण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, योजनाओं एवं आयुष्मान कार्ड बनाने आदी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को किया सम्मानित

विदिशा /दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम विदिशा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांस्बा सहित अन्य अधिकारी और बालिकाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में सबसे पहले अतिथियों द्वारा बालिकाओं का पुष्प कुछ और फूल माला से स्वागत कर उन्हें बालिका दिवस की शुभकामनाएं देकर सम्मानित किता गया।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी बेटियों को राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियां देवी का स्वरूप होती हैं सरस्वती, काली, दुर्गा, लक्ष्मी जी के रूप में बेटियों को पूजा जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार भी निरंतर प्रयासरत है कि बेटियां देश को ताकतवर बनाने में अपनी अहम भूमिका कैसे निभाएं, इसी दिशा में बेटियों को आगे बढ़ने का कार्य जारी है। उन्होंने बेटियों से कहा कि आपमें नेतृत्व क्षमता अपार हैं, इसलिए अपने उद्देश्य के प्रति सजक होकर आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा बेटियों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में बेटियों के विवाह हो रहे हैं, मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना अंतर्गत भी महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है। साथ ही साथ बेटियां देश में सम्मान की दृष्टि से जानी जाएं इसके लिए राजनीति और प्रशासनिक भर्तियों में भी आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है ताकि बेटियोऔ की हर क्षेत्र में बराबरी की भागीदारी हो।

पुलिस भर्ती में भी बेटियों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है से लेकर मेधावी विद्यार्थी योजना से लेकर विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पुलिस कंट्रोल रूम विदिशा में बालिकाओं के सशक्तिकरण एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम सशक्त वाहिनी क्लास से जुड़ी बालिकाओं के साथ एक विशेष जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में 100 बालिकाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

कार्तिक मेला ग्राउंड में पहली बार गणतंत्र दिवस समारोह की धूम

फाइनल रिहर्सल हुई, कल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लेंगे परेड की सलामी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में इस बार गणतंत्र दिवस की गरिमा नए स्थल पर गूँजेगी। दशहरा मैदान की जगह पहली बार कार्तिक मेला ग्राउंड में होने जा रहे मुख्य समारोह को लेकर तैयारियाँ पूरी रफ़्तार पर हैं। बड़ा मैदान होने के कारण इस बार आम लोगों की भीड़ पहले से अधिक पहुँचने की उम्मीद है। पुराने शहर से भी बड़ी संख्या में लोग परेड देखने आएँगे। कार्तिक मेला ग्राउंड पर मुख्यमंत्री डॉ यादव परेड की सलामी लेंगे।

चारों ओर सजावट, रंगरोगन और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त- कार्तिक मेला मैदान शनिवार सुबह पूरी तरह बदला-बदला नज़र आया। मैदान में चारों ओर राष्ट्रीय ध्वजों की कतारें लहरा रही हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टर भी आकर्षण बढ़ा रहे हैं। मंच, वीआईपी दीर्घा और प्रदर्शनी स्थल की अंतिम तैयारियाँ जारी हैं। पूरे परिसर की पुताई, सड़क समतलीकरण और सफाई का काम पूरा कर लिया गया है, जिससे मैदान पहले से अधिक विशाल और व्यवस्थित दिखाई दे रहा था।

फाइनल रिहर्सल में दिखा अनुशासन, पुलिस, एनसीसी और बैंड टीम ने मुग्ध किया -शनिवार को सुबह कार्तिक मेला ग्राउंड पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में परेड की फाइनल रिहर्सल हुई। पुलिस बैंड ने देशभक्ति धुनों से वातावरण में जोश भरा। एनसीसी कैडेट्स, होमगार्ड्स और विभिन्न सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने प्रभावी मार्चपास्ट किया। जिस सफेद जिप्सी में मुख्यमंत्री परेड का निरीक्षण करेंगे, वह भी मैदान में तैनात रही। डमी मुख्यमंत्री बने अधिकारी ने परेड की सलामी लेकर पूरे कार्यक्रम की अंतिम तैयारियों का जायजा लिया।

इस बार का गणतंत्र दिवस सिंहस्थ को समर्पित- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस वर्ष के गणतंत्र दिवस आयोजन को सिंहस्थ महापर्व को समर्पित किया है। कार्यक्रम में सिंहस्थ से जुड़ी झलकियाँ प्रदर्शनी और थीम आधारित मंच सज्जा में देखने को मिलेंगी।

कल उमड़ेगी भीड़, बढ़ेगा शहर का गौरव- स्थल परिवर्तन के बाद लोगों में खासा उत्साह है। प्रशासन को उम्मीद है कि कार्तिक मेला ग्राउंड की विस्तृतता के कारण इस बार दर्शक संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचेगी। शहरवासियों में भी नए स्थान पर पहली बार आयोजित हो रहे समारोह को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

समारोह एक नज़र में

मुख्य अतिथि- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
स्थान- कार्तिक मेला ग्राउंड, उज्जैन
समय- 26 जनवरी सुबह 9 बजे
विशेष आकर्षण- सिंहस्थ थीम पर प्रदर्शनी, पुलिस एवं एनसीसी की परेड, पुलिस बैंड की प्रस्तुति
व्यवस्था- विस्तृत पार्किंग, सुरक्षा प्रबंधन, साफ-सुथरा मैदान

विद्यार्थी द्वारा रचित एलबम वंदे मातरम की लांचिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माधव साइंस कॉलेज उज्जैन के विद्यार्थी मिलन पंड्या द्वारा राष्टगीत वन्देमातरम पर स्वयं द्वारा गाए गए एल्बम की लांचिंग पर महाविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती का पूजन, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर मां शारदा को नमन करतें हुवे बसंतोत्सव मनाया गया। साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत सुभाषचंद्र बोस के उत्सर्ग को याद करते हुए उन्हे शुभांजलि दी गई। उनके लोकप्रिय नारे तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा÷ के क्रांतिकारी उदघोष का भी स्मरण किया गया। इस अवसर पर रसायन शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ दीपेन्द्र रघुवंशी द्वारा मां सरस्वती का चित्र महाविद्यालय को भेट किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ हरिश व्यास ने कहा कि बसंत पंचमी सृजन सकारात्मकता एवं ऊर्जा का दिवस हैं। हमारे भीतर भी मां सरस्वती के आशीर्वाद से यह गुण उदभूत हो। इस अवसर पर डॉ आर सी हेमनानी, डॉ ब्रजेश पारे, डॉ आर के तिवारी, डॉ आर एस राठौड़, डॉ मुकेश मित्तल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपेन्द्र रघुवंशी ने किया तथा आभार मां सरस्वती की स्तुति के साथ श्री शैलेश दुबे ने माना। इस अवसर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी और छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

ससुराल से लौट रहे अधेड़ को अज्ञात वाहन ने कुचला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ससुराल से लौट रहे बाइक सवार अधेड़ को रास्ते में अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई। घटिया तहसील के ग्राम उज्जैनिया में रहने वाला हाकम पिता ओंकार मालवीय 50 वर्ष का ससुराल नलखेड़ा में है। शुक्रवार को बाइक से वह नलखेड़ा गया था जहां ससुराल में परिवार वालों से मिलने के बाद वापस रात में लौट रहा था। रास्ते में ग्राम आमला और नलखेड़ा के बीच पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल हुए हाकम को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए उज्जैन लाया गया। वही टक्कर मारने वाला चालक वाहन लेकर भाग निकला था। हाकम की हालत गंभीर बनी हुई है मामले की सूचना अस्पताल पुलिस चौकी को दी गई है।

आज होगा राहगीरी का आयोजन.. कोठी रोड पर उत्सवी माहौल रहेगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज रविवार को कोठी रोड पर राहगीरी आनंद उत्सव का आयोजन किया जाएगा और इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल सुबह से नजर आएगा। इस दौरान विभिन्न खेलकूदों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। आज होने वाली राहगीरी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 जनवरी को अपने दिन की शुरुआत राहगीरी आनंदोत्सव में शामिल होकर करेंगे। शनिवार सुबह से देर रात तक कोठी रोड पर मंच बनाया जा रहे थे। आज रविवार को मौज-मस्ती और स्वास्थ्यपूर्ण गतिविधियों से जुड़े आयोजन में भी शामिल होंगे। तरणताल से कोठी रोड तक आयोजित होने वाले राहगीरी उत्सव के लिए नगर निगम द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम को लेकर कोठी रोड तक दीवारों को आकर्षक तरीके से सजाया गया है, वहीं अन्य व्यवस्था भी की गई है। राहगीरी के आयोजन स्थल पर सड़कों की मरम्मत, रंगरोगन, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सुविधा, मंच और अन्य जरुरी काम पूरे कर लिए गए हैं। आज सुबह से राहगीरी के दौरान विभिन्न खेलकूद और पुराने जमाने के खेल कंचे, रस्सी कूद, बोरा दौड़, सितोलिया और रस्साकशी सहित अन्य आयोजन भी होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों मालवी, गुजराती और हरियाणवी नृत्य के साथ-साथ अखाड़ा प्रदर्शन, एरोबिक्स, योग, बॉडी बिल्डिंग और मल्लखंब का प्रदर्शन भी होगा। सुबह से शहरवासियों का यहाँ जमघट लगेगा और उत्सव का नजारा देखने को मिलेगा।

लकड़ी लेने से मना किया तो जेठ ने की मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पड़ोस में रहने वाले जेठ को लकड़ी लेने से मना किया तो उसने बहू के साथ डंडे से मारपीट कर दी। पुलिस ने मामले में जेठ के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

ग्राम उमरिया खाल चिंतामण की रहने वाली रेखा भाई पति विक्रम बोराना 40 साल को उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के घायल होने पर पुलिस ने उसके बयान दर्ज कर पति की शिकायत पर राजेश बोराना के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है। घायल रेखा बाई के पति विक्रम ने बताया कि बड़ा भाई राजेश उसके घर के बाहर रखी लड़कियां जलाने के लिए ले जा रहा था जिस पर पत्नी रेखा ने मना किया तो उसने गाली गलौज करते हुए डंडे से मारपीट की। पूर्व में भी राजेश विवाद कर चुका है। पुलिस के अनुसार बहू के साथ मारपीट करने वाले जेठ की तलाश में दबिश दी गई थी लेकिन वह गांव से फरार होना सामने आया है।

जयभारती के 52वें वार्षिकोत्सव का सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जयभारती शिक्षण संस्थान के 52वे वार्षिकोत्सव का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ । कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि सोनू गेहलोत अध्यक्ष मलखंब फेडरेशन आफ इंडिया और अध्यक्षता सपना सांखला पार्षद वार्ड क्रमांक 9 ने की । सर्वप्रथम सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ ।अतिथियों का स्वागत संस्था सचिव राजेंद्र जोशी ,प्राचार्य आशा तिवारी ,कार्यक्रम संयोजक विपुल जोशी,रमा जोशी ,हेमलता जोशी ,अवनी जोशी ,सीता शर्मा ,वर्षा वर्मा ,अंजली शर्मा ,गगन शर्मा , रीतू सोनी,गगन शर्मा,जय भावसार,महेश बैरागी आदि ने किया ।संस्था परिचय सचिव राजेंद्र जोशी ने दिया प्रमुख अतिथि सोनू गेहलोत ने अपने उद्बोधन में बच्चों को कहा की अब समय परीक्षाओं का आ गया है जनवरी से मार्च तक टीवी और मोबाइल से दूरी और सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए कहा और उन्होंने स्कूल प्रबंधन को भी शभकामनाएं दी और कहा की यह संस्था काफी पुरानी है और आज भी पुराने शहर में ही संचालित है संस्था ने अपना स्थान नहीं बदला । अपने उदबोधन में पार्षद सपना सांखला ने बच्चो को पढ़ाई करने की शपथ दिलाई और खूब पढ़ो लिखो और अपना और अपने माता पिता और विद्यालय का नाम रोशन करे ।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम में एक मंच अनेक प्रांत और नृत्य के संग स्वच्छता का संदेश ने सभी का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में 15प्रस्तुतियां दी गई । कार्यक्रम का संचालन विपुल जोशी ने किया एवं आभार प्राचार्य आशा तिवारी ने माना।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शास्त्री नगर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन पर शिक्षा के क्षेत्र में, खेलकूद में एवं वर्ष भर सांस्कृतिक गतिविधियों में अव्वल आई बालिकाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती राधिका कुमार अध्यक्ष स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति द्वारा बालिकाओं को राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की मंशा के बारे में जानकारी दी गई।

ढाबा संचालक पर 8 से 10 बदमाशों ने किया हमला

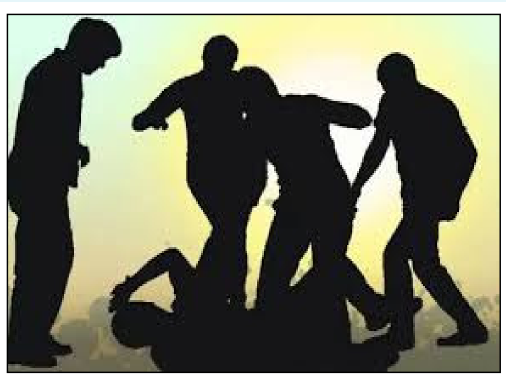

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात ढाबे का पिछला दरवाजा तोड़कर 8 से 10 बदमाश अंदर घुसे और संचालक पर चाकू से हमला कर दिया। चिमनगंज थाना पुलिस द्वारा हमला करने वालों की तलाश की जा रही है। हीरा मिल की चाल में रहने वाला जसवंत पिता हरि सिंह कुशवाहा 40 वर्ष चिमनगंज थाने से कुछ दूरी पर जस्सू का ढाबा संचालित करता है। रात में 8 से 10 बदमाश ढाबे का पिछला गेट तोड़कर अंदर घुसे और जसवंत पर चाकू और डंडों से हमला कर दिया। जसवंत गंभीर रूप से घायल हो गया मामले की जानकारी लगते ही पुलिस पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां जसवंत से पूछताछ में सामने आया कि उसे पर हमला बदमाश छ्गु बुंदेला और उसके साथियों ने किया है। उसका कहना था कि कल कोर्ट में पुराने मामले को लेकर पेशी थी वह न्यायालय गया था इस दौरान पेशी पर रोशन भी आया था। जो दोस्त है जिससे उसने मुलाकात की थी इसी बात को लेकर छ्गु ने आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि उसके साथ बात मत किया कर वह हमारा दुश्मन है लेकिन दोस्ती होने पर उसने बात करने को कहा तो उसे पर हमला कर दिया गया। फिलहाल पुलिस घायल के बयान दर्ज कर हमला करने वाले बदमाशों की तलाश कर रही है।

खुली जेल में और नए फ्लैट बनाएगा जेल विभाग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भैरवगढ़ में कैदियों के लिए जो फ्लेट बनाए गए थे वह भर चुके हैं और फिर से नए फ्लेट बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

पूर्व में बने नए फ्लैट पूरी तरह भर चुके हैं - प्रोजेक्ट शुरु किया गया था जिसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उल्लेखनीय है कि उज्जैन में खुली जेल के विकास को लेकर जेल प्रशासन की ओर से डीपीआर तैयार कर मध्य प्रदेश सरकार के गृह विभाग को भेजी गई है। जहां से अनुमति मिलने के बाद खुली जेल का विस्तार होगा। यानि खुली जेल में 16 नए रहवासी फ्लैट और बढ़ाए जाएँगे। ऐसे में उज्जैन की खुली जेल कुल 36 फ्लैट की हो जाएगी। जेल अधिकारियों के मुताबिक भैरवगढ़ जेल विभाग ने खुली जेल के विस्तार की एक कार्ययोजना बनाई हैं। इसमें खुली जेल के रहवासी फ्लैट बढ़ाए जाएँगे। इसके लिए लगभग 3 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया हैं। इस साल इसकी मंजूरी भी मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में खुली जेल में 20 कैदियों के लिए दो मंजिला रहवासी फ्लैट बने हैं। आने वाले दिनों में खुली जेल के समीप ही खाली पड़ी रिक्त भूमि पर 16 नए रहवासी फ्लैट और बनाए- जाएँगे। इसके बाद उज्जैन में खुली जेल की क्षमता 36 रहवासी फ्लैट की हो जाएगी। वहीं इसमें भी कैदियों को सलाखों के पीछे नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि वे परिवार के साथ इन क्वार्टरों के अंदर परिवार के साथ रह सकेंगे। बता दें कि सजा काट रहे कैदियों को खुली जेल में जाने का मौका उनके चाल-चलन, व्यवहार और काटी गई सजा के आधार पर मिलता है।

इस समय उज्जैन की खुली जेल में रहकर 13 के करीब कैदी स्वरोजगार के अलावा दूसरे संस्थानों में सेवाएं दे रहे हैं। कुछ कैदियों को दूसरे निजी संस्थानों में भी काम पर भेजा जा रहा है। वहाँ वे दिन में ड्यूटी कर शाम को वापस जेल आ जाते हैं। यह उन कैदियों पर जताया गया भरोसा ही है, जिसके चलते उन्हें खुला माहौल मिल रहा है। परंतु यदि कोई कैदी जेल के नियम और कायदे तोड़ता है तो फिर उसे दोबारा यह मौका कभी नहीं मिलता हैं।

अप्रैल से और अधिक महंगी होगी बिजली

उज्जैन के डेढ़ लाख से अधिक उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा भार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन सहित प्रदेश में इस साल फिर बिजली महंगी करने की तैयारी है। जिसका असर उज्जैन के डेढ़ लाख बिजली उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा। बढ़ी हुई दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना हैं।

दरअसल, बिजली कंपनियों ने 6044 करोड़ के घाटे की भरपाई के लिए याचिका दायर की थी। मप्र विद्युत विनियामक आयोग ने इस याचिका को मंजूर कर लिया है। याचिका पर दावे-आपत्ति सुझाव के लिए आयोग में 25 जनवरी 2025 तक आवेदन किए जा सकते हैं। इसकी सुनवाई 24 से 26 फरवरी तक होगी। बिजली के प्रस्तावित टैरिफ में घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं की बिजली को ज्यादा महंगी करने की तैयारी है। घरेलू उपभोक्ताओं के टैरिफ में 9.28 फीसदी तक इजाफा हो सकता है। वहीं कृषि उपभोक्ताओं की बिजली में 13 फीसदी तक महंगी हो सकती है। प्रदेश की बिजली कंपनियों ने दायर याचिका में है कि वर्तमान टैरिफ 59 हजार 331 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो रहा है। जबकि बिजली कंपनियों को साल 2026-27 में 65 हजार 374 करोड़ के राजस्व की जरूरत है। इस तरह से बिजली कंपनियों के राजस्व में 6044 करोड़ का अंतर आ रहा है। इस अंतर की भरपाई के लिए कंपनियों ने 10.19 फीसदी टैरिफ बढ़ाने की मांग आयोग से की है। बिजली का नया टैरिफ 1 अप्रैल से लागू हो जाएगा। बिजली कोषनियों की मांग के मुताबिक अगर टैरिफ में इजाफा होता है, तो बिजली पिछली बार से करीब तीन गुन्ना मांगी हो जाएगी। इस बार घरेलू बिजली हैरिफ में प्रति यूनिट 31 पैसे तक इनाफा करने की 19172 मांग कंपनियों ने सही है।

पिछली बार 4107.18 करोड़ का हुआ था घाटा- बिजली कंपनियों ने 4107.18 करोड़ का सादा बताते हुए बिजली के मौजूद टैरिफ में 7.52 फीसद इजाफा करने की मांग की थी। इसके बदले आयोग ने 3.46 फीसदी इजाफा किया था। बिजली कंपनियों ने साल 2025-26 के लिए 58744.15 करोड़ के राजस्व की आवश्यकता बताई थी। कंपनी के मुताबिक प्रचलित दरों पर 54636 करोड़ का राजस्व मिलेगा। इससे बिजली कंपनियों को 4107.18 करोड़ का नुकसान होगा। इसकी भरपाई के लिए कंपनियों ने टैरिफ बढ़ाने की माँग की थी। इस बार कंपनियों ने पिछली बार से ज्यादा घाटा बताना है। ऐसे में इस बार बिजली के टैरिफ में पिछले साल से ज्यादा इजाफा हो सकता है।

विक्रम उद्योगपुरी के विकास को देखने उज्जैन पहुंचे एनआईसीडीसी के मुखिया, उद्योगों और श्रमिकों से की सीधी बातचीत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी के लिए शुक्रवार का दिन खास और महत्वपूर्ण रहा। देश में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने वाली राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास निगम (एनआईसीडीसी) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्री रजत कुमार सैनी उज्जैन पहुंचे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने विक्रम उद्योगपुरी में संचालित औद्योगिक इकाइयों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और उद्योग संचालकों के साथ-साथ फैक्ट्रियों में काम कर रहे श्रमिकों से भी सीधे संवाद किया। एनआईसीडीसी प्रमुख के इस दौरे से आने वाले समय में विक्रम उद्योगपुरी में नए निवेश की संभावनाएं बढ़ने के साथ-साथ उज्जैन के एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

श्री सैनी के दौरे की शुरुआत विक्रम उद्योगपुरी में स्थित अमूल डेयरी यूनिट से हुई। यहां उन्होंने दूध संग्रहण, प्रोसेसिंग और पैकिंग की पूरी प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्रतिदिन कितनी मात्रा में दूध का प्रसंस्करण किया जाता है और गुणवत्ता की जांच किस प्रकार की जाती है। फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों से बातचीत के दौरान श्री सैनी ने काम के घंटे, सुरक्षा इंतजाम और श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें नियमित रोजगार मिल रहा है और इस यूनिट के कारण स्थानीय लोगों को स्थायी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। इसके बाद एनआईसीडीसी के सीईओ श्री सैनी रेलसस कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पहुंचे। यहां उन्होंने विभिन्न प्रकार की दालों से तैयार किए जाने वाले शाकाहारी प्रोटीन और उनसे जुड़े उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया को समझा। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि अत्याधुनिक मशीनों की मदद से कच्चे माल को प्रोसेस कर उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इन उत्पादों की सप्लाई देश के साथ-साथ विदेशों की कई बड़ी कंपनियों को की जाती है। श्री सैनी ने फैक्ट्री के अंदर जाकर उत्पादन प्रक्रिया को देखा और वहां कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था और कार्यस्थल के माहौल की जानकारी भी ली।

सीईटीपी में शोधन प्रक्रिया की सराहना, खुद पिया साफ पानी- श्री सैनी ने विक्रम उद्योगपुरी में स्थापित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि किस प्रकार विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित पानी को वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीकों से शुद्ध किया जाता है।

यूकोलिप्टिस के 38 पेड़ काटकर चोरी करने वाले गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी जमीन पर लगे यूकोलिप्टिस के 38 पेड़ काटकर चोरी करने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर चोरी में प्रयुक्त आयशर के साथ 50 टन लकड़ी बरामद की गई है। इंगोरिया थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर सड़क किनारे लगे यूकोलिप्टिस के 38 पेड़ अज्ञात बदमाशों ने काटकर चोरी कर लिये थे। 20 जनवरी को मामले की जानकारी सामने आई तो नायब तहसीलदार संग्रामसिंह चौधरी टप्पा इंगोरिया ने मामले की शिकायत थाने पहुंचकर दर्ज कराई। थाना प्रभारी दिपेश व्यास ने बताया कि मामले में पेड़ काटकर अज्ञात लकड़ी चोरी करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू की गई, 3 दिनों की तलाश के बाद ग्राम मतांगना के रहने वाले शहजाद पिता छोटे खां पठान, भय्यू पिता रसुलअली, सोहेल पिता हाफिज और विक्रम पिता राजाराम को हिरासत में लिया गया। चारों से सख्त पूछताछ में सामने आया कि उन्होने 17 जनवरी की रात पेड़ काटकर आयशर क्रमांक एमपी 13 जीबी 6145 में रख चोरी की थी। पुलिस ने कटे पेड़ों की लकड़ी और आयशर बरामद करने के प्रयास किये। चारों ने शहजाद के खेत में चुराई लकड़ी छुपाकर रखना बताया। पुलिस टीम ने खेत पहुंच कर 50 टन लकड़ी के साथ चोरी में प्रयुक्त आयशर जप्त कर ली। एएसआई दिनेश निनामा ने बताया कि चोरों का मकसद चुराई लकड़ी बेचकर मुनाफा कमाने का था। उनका अपराधिक रिकार्ड पता करने पर सामने नहीं आया। चारों पहली बार पुलिस की गिरफ्त में आये है। चारों को कोर्ट में में पेश किया था। जहां से जमानत मिलने पर चारों को रिहा किया गया है। बरामद चोरी का मश्रुका 7 लाख कीमत का सामने आया है।

बसंत पंचमी पर सैकड़ों विवाह हुए, बाल विवाह का एक भी मामला नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बसंत पंचमी पर शुभ कार्यक्रमों के मुहूर्त कम थे फिर भी बाल विवाह की सूचना प्रशासन को नहीं मिली और उज्जैन जिले में बाल विवाह का एक भी मामला सामने नहीं आया।

जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सामूहिक तथा अन्य विवाह के आयोजनों पर पूरे वर्ष नजर रखी जाती है और बसंत पंचमी पर विशेष निगरानी के लिए पूरे जिले में दल गठित किए गए थे। इसमें कर्मचारियों सहित बाल विवाह रोधी उड़नदस्ता भी लगातार काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग को बाल विवाह की सूचना एजेंसी, चाईल्ड लाईन तथा पुलिस के माध्यम से प्राप्त होती है। कल बसंत पंचमी पर भगवान महाकाल की कृपा रही और पूरे जिले में कहीं से भी बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने यह भी बताया कि जब कभी सामुहिक विवाह आयोजनों की जानकारी सामने आती हैं तो विभाग द्वारा इसके पहले ही सामाजिक संगठनों से संपर्क किया जाता है। इस दौरान उनसे विवाह में शामिल सभी जोड़े के नाम पते सहित जन्म प्रमाण-पत्र और अन्य जरुरी दस्तावेज मांगे जाते हैं, फिर इनकी जाँच की जाती है।

जाँच में अगर विवाह करने जा रहे लड़के या लड़की की आयु निर्धारित सीमा से कम पाई जाती है तो विभाग का दल उनके परिजनों से संपर्क करता है। इस दौरान बच्चों के माता-पिता को समझाया जाता है कि उनका बच्चा या बच्ची अभी नाबालिग है और विवाह योग्य नहीं है। यह नियम के विरुद्ध है। अगर इनका विवाह हुआ तो यह विवाह कानूनी रूप से मान्य नहीं होगा और नियमानुसार इस तरह के बाल विवाह में शामिल लोगों के अलावा परिजनों और मौलवी तथा पंडितों पर भी नियमानुसार प्रकरण बनाया जाएगा और कार्यवाही की जाएगी। इस बार बसंत पंचमी पर यह नौबत नहीं आई। लोगों में भी बाल विवाह को लेकर जागरुकता आ गई है।

तोड़फोड़-पथराव और आगजनी के बाद तराना में शांति

छह आरोपियों को लिया रिमांड पर, अन्य की तलाश जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मामूली विवाद के बाद तराना में फैला सांप्रदायिक तनाव शनिवार को शांत हो गया, बावजूद इसके पुलिस बल तैनात रखा गया है। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। हमले में शामिल रहे छह आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

गुरुवार शाम को शुक्ला गली में रहने वाले बजरंग दल के सदस्य सोहिल ठाकुर और मिर्जा परिवार के बीच विवाद हो गया था जो सांप्रदायिक तनाव में बदल गया था। गुरुवार शाम कई बसों में तोड़फोड़ कर दी गई थी, दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया था। सोहेल की शिकायत पर सपान मिर्जा, ईशान मिर्जा, शादाब उर्फ इडली, सलमान मिर्जा, रिजवान मिर्जा और नावेद के खिलाफ प्राण घातक हमले का प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पा लिया था लेकिन शुक्रवार को फिर से तनावपूर्ण माहौल हो गया, एक बस में आग लगा दी गई और दूसरी ओर से जमकर पथराव किया गया। हालात बिगड़ते देख कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरु प्रसाद पाराशर, एसडीओपी भविष्य भास्कर सहित भारी पुलिस बनने तराना को छावनी बना लिया, फ्लैग मार्च किया गया और शांति की अपील की गई, लेकिन रात में फिर से उपद्रव शुरू हो गया और एक लकड़ी की टाल में आग लगाने के साथ किला मस्जिद के पास खड़ी कारो में आग लगा दी गई। पुलिस ने फिर से मामला शांत कराया और सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। इसके बाद शनिवार को दिन भर माहौल शांत बना रहा देर शाम तक कोई अप्रिय घटना की खबर सामने नहीं आई। पुलिस ने बसों में आग लगाने और पथराव करने वालों के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज कर लिया, इस बीच भविष्य भास्कर ने बताया कि सोहिल ठाकुर पर हमला करने वाले 6 आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। वही आगजनी और पत्थर बाजी करने वालों की पहचान कर उन्हें विरासत में लिया जा रहा है। फिलहाल माहौल पूरी तरह से शांत है लेकिन पुलिस बल तैनात रखा गया है।

नहीं खुला बाजार, लोग दहशत में- शुक्रवार-शनिवार रात हुई आगजानी की घटना के बाद लोग काफी दहशत में आ गए थे। जिसके चलते शनिवार सुबह हालात तो सामान्य रहे लेकिन बाजार बंद रहा। दोनों ही समुदाय के लोग घरों में रहे लेकिन बाजार की स्थिति का पता लगाते रहे, हर जगह पुलिस होने के चलते कोई भी बाहर नहीं निकल रहा था। तराना में 2 दिन से बाजार बंद है और लोग घरों में रहने के लिए मजबूर हो रहे हैं।